Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 133 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संविधान दिवसः समान अवसर सिर्फ कहने से नहीं, अमल करके दिखाना होगाः मुर्मू

■ संविधान दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कही

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संविधान दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित समारोह में सामाजिक समानता, शिक्षा, न्याय तक पहुंच, स्वास्थ्य और मानवाधिकारों पर जोर देते हुए कहा कि समान अवसर की बात केवल कहने से नहीं होगा, बल्कि इसे जमीन पर उतारना होगा। उन्होंने कहा कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं, लेकिन इस सिद्धांत को व्यवहार में भी लागू करके दिखाना जरूरी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि तकनीक और मीडिया के प्रभाव से न्याय व्यवस्था में भी बदलाव आया है। सूचनाएं अब आम लोगों तक तेजी से और सीधे पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि देश सांस्कृतिक गौरव के साथ गुलामी की मानसिकता से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी बदलाव के तहत राष्ट्रपति के नाम के आगे 'एक्सीलेंसी' शब्द का प्रयोग नहीं किया जाता और राष्ट्रपति भवन में 'दरबार हॉल' जैसे नामों और संबोधनों को भी पीछे छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान का कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है, जिससे संविधान और उसकी भावना आम जनता तक पहुंच रही है। संथाली भाषा में संविधान



की प्रस्तावना का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह विशेष रूप से अच्छी लगती है। राष्ट्रपति ने न्याय तक पहुंच के सवाल पर कहा कि हर व्यक्ति के पास हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने के अवसर नहीं होते। ऐसे में गरीब, कमजोर और वंचित वर्ग के लोगों की मुश्किलों को आसान बनाने की जरूरत है। जिला अदालतों में लंबित मामलों को कम करने के लिए सरकार और लीगल सर्विसेज समितियां प्रयास कर रही हैं। उन्होंने महिला वकीलों की बढ़ती संख्या पर भी खुशी जताई।

मानवाधिकारों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान का पहला अनुच्छेद अद्भुत है और एक-एक शब्द में पूरी दुनिया को बदलने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में देश अपनी आजादी, संविधान और सुप्रीम कोर्ट के 100 वर्ष पूरे होने के अवसरों को मनाएगा। राष्ट्रपति ने संविधान की मूल भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा इसके चार स्तंभ हैं। गांधीजी ने भी गांवों को भारत की आत्मा और विकास का रास्ता बताया था। शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने स्कूल-कॉलेजों का पुनर्भ्रमण किया है और वहां के बुनियादी ढांचे में बदलाव दिखाई देता है। हालांकि, उन्होंने साझा शिक्षा के अनुभवों में आए बदलाव पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पहले अधिकारी और मंत्रियों की बेटियां भी एक साथ पढ़ती थीं, लेकिन आज ऐसा दृश्य कम दिखाई देता है।

सरगुजा में पड़ने लगी कड़ाके की ठंड, पारा पहुंचा 9 डिग्री

अंबिकापुर। चक्रवात अकवान का असर खत्म होते ही सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पडऩी शुरू हो गई है। चार दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री दर्ज किया गया है। दोपहर में भी ठिठुरन महसूस की गई। लोग पूरे दिन गर्म कपड़ों में नजर आए। वहीं अंबिकापुर शहर के गांधी स्टेडियम के पास खुले आसमान के नीचे पूरी रात पड़े रहने से युवक की मौत हो गई है। उसके शरीर पर गर्म कपड़े नहीं थे। युवक की मौत ठंड से होने की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 2 दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। सरगुजा संभाग में नवंबर महीने के अंतिम सप्ताह में उत्तरी सर्द हवाएं आने का क्रम शुरू हो गया है। इसलिए कड़ाके की ठंड भी पडऩी शुरू हो गई है। कुछ दिन पूर्व चक्रवात अकवान का असर के कारण तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

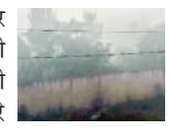

संविधान दिवस पर रायपुर में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

■ गांधी मैदान से अंबेडकर चौक तक निकली भव्य 'संविधान बचाओ मार्च' रैली

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी के निर्देशानुसार संविधान दिवस के अवसर पर आज देशभर की प्रदेश राजधानियों में संविधान बचाओ मार्च रैली का आयोजन किया गया।

इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गांधी मैदान में विशाल सभा आयोजित की गई। सभा के पश्चात हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने गांधी मैदान से डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक तक संविधान बचाओ मार्च निकालकर संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया।

इस ऐतिहासिक मार्च में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी श्री सुखदेव भगत जी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री दीपक बैज जी, नेता प्रतिपक्ष डॉ.



चरणदास महंत जी, पूर्व मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू जी, सह प्रभारी श्री जितेंद्र बघेल जी, श्री हरनाम सिंह जी, मलकीत गैंदू जी,श्री मोहम्मद अकबर जी, श्री शिव डहरिया जी, श्री धनेन्द्र साहू जी सहित विधायकगण, पूर्व विधायकगण, सभी जिला कांग्रेस अध्यक्ष, सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेतागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे को बनाए रखने का संदेश दिया।

'जनदर्शन' में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुलझाने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मौके पर की पहल

■ जरूरतमंदों को तत्काल आर्थिक सहायता स्वीकृत, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज 'जनदर्शन' में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संवेदनशीलता और आत्मीयता से लोगों की समस्याएं सुनकर तत्काल मौके पर ही समाधान की पहल की। आर्थिक तंगी के कारण इलाज नहीं हो पाने की जानकारी मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को तत्काल उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कैंसर पीड़ित पिता के इलाज में परिवार की जमा पूंजी खत्म हो जाने से पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रही जशपुर की फरहीन को उन्होंने हरसंभव मदद का भरोसा



दिलाया। मुख्यमंत्री ने कई जरूरतमंदों के लिए तत्काल आर्थिक सहायता भी स्वीकृत की। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित 'जनदर्शन' में लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड के भलपहरी, हरदी बाजार निवासी 83 वर्षीय श्री परसराम राठौर पिछले 30 वर्षों से कम सुनाई देने की समस्या से जूझ रहे थे। अपने बेटे के साथ 'जनदर्शन' में पहुंचे श्री राठौर ने मुख्यमंत्री को बातचीत और रोजमर्रा के कामकाज में आने वाली परेशानियों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया। बातचीत के दौरान जब उन्हें पता चला कि श्री राठौर को देखने में भी परेशानी है, तो उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को उनकी आंखों की जांच कराकर चश्मा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्रवण यंत्र मिलने के बाद श्री राठौर वर्षों बाद साफ आवाजें सुन सके। मुख्यमंत्री ने भाटापारा के श्री बलवंत सिंह यादव को भी श्रवण यंत्र प्रदान किया। जशपुर से अपनी मां के साथ पहुंची सुश्री फरहीन ने मुख्यमंत्री को परिवार की आर्थिक कठिनाइयों के बारे में बताया।

30 नवंबर को लोकसभा और 2 दिसंबर को राज्यसभा की बैठक



■ सरकार ने एक-एक दिन का लोकसभा और राज्यसभा सेशन बुलाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद के दोनों सदनों की एक-एक दिन की बैठक बुलाई है। लोकसभा की बैठक 30 नवंबर और राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर 2026 को होगी। दोनों सदनों की कार्यवाही 3 दिसंबर तक खत्म हो सकती है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को ङ्क पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने राज्यसभा के सभापति और लोकसभा स्पीकर से बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। इस दौरान जरूरी सरकारी कामकाज निपटाया जाएगा। इस बीच संसद में महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा है। इसे लेकर संसद का विशेष या विस्तारित सत्र बुलाए जाने की अटकलें थीं।

तिरुपति में 121 किलो सोना चढ़ाया

■ कीमत करीब 208 करोड़ रुपए, इस मंदिर में किसी भक्त का सबसे बड़ा दान

चेन्नई। तिरुमला के तिरुपति मंदिर में चेन्नई के एक भक्त ने गुरुवार को 121 किलो सोने के आभूषण दान किए। इनकी कीमत करीब 208 करोड़ रुपए है। यह दान वर्धमान जैन और उनकी पत्नी राधिका जैन ने दिया है। दान मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में हुआ। दान में 9 सेट में रखे 45 जेवर और 238.2 कैरेट के हीरे शामिल हैं। दंपती ने मंदिर में भगवान वेंकटेश का मुकुट और पैरों के आभूषण भी चढ़ावे में दिए। ङ्कङ्क के मुताबिक, तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर को किसी एक भक्त की ओर से दिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा चढ़ावा है। भगवान वेंकटेश के लिए लाए गए जेवरों को प्रदर्शित किया गया। इसमें सोने का बाघ का नाखून,



कई तरह की चेन, मुकुट, रत्न और अन्य आभूषण शामिल थे। दान किए गए रत्नों और आभूषणों में से 106 किलो सोने के आभूषण भगवान के लिए थे, जबकि देवी श्री पद्मावती अम्मावरु को 15 किलो वजन के आभूषण/पोशाक भेंट की गईं।

चेन्नई की कंपनी 'वारा फ्यूचर एलएलपी' के चेयरमैन वर्धमान जैन ने 121 किलो सोना दान किया। वर्धमान ने कंपनी में अपनी 60 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 6000 करोड़ रुपए हासिल किए थे। इसी रकम में से वर्धमान ने भगवान श्री वेंकटेश्वर को यह सोना दान किया।

NHM कर्मचारियों को बड़ी राहत

नई एचआर पॉलिसी, स्थानांतरण और 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि समेत कई मांगों पर लगी मुहर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के हजारों संविदा कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। वर्षों से लंबित कर्मचारी हितों से जुड़ी कई मांगों पर राज्य कार्यकारिणी समिति ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अनुमोदन प्रदान किया है। समिति की बैठक का कार्यवाही विवरण (मीटिंग मिनट्स) जारी होने के साथ ही नई ॥क्र पॉलिसी, स्थानांतरण नीति, चिकित्सा सुविधाओं और 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय सामने आए हैं। इन फैसलों को ह॥रू महासम्मेलन में मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष ह॥रूकर्मचारियों ने अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार 33 दिनों तक ऐतिहासिक हड़ताल की थी। इस दौरान कर्मचारियों ने अपने अधिकारों और बेहतर सेवा शर्तों के लिए प्रदेशव्यापी



संघर्ष किया था। अब राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों से कर्मचारियों में नई उम्मीद जगी है।

कर्मचारी हितों से जुड़े इन महत्वपूर्ण विषयों पर हुआ निर्णय

राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक के कार्यवाही विवरण में कर्मचारी हितों से जुड़े प्रमुख निर्णय इस प्रकार हैं— चिकित्सा अवकाश की स्वीकृति में राहत: 35 हजार रुपये से कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों के चिकित्सा अवकाश की स्वीकृति जिला स्तर से तथा 35 हजार रुपये से अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों के चिकित्सा अवकाश की स्वीकृति राज्य स्तर से होगी।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस जितनी बड़ी गाली देगी और जितना कीचड़ उछालेगी,



देश की जनता उतना ही मजबूती से मोदी जी के साथ खड़ी होगी। अनुराग ठाकुर ने आपातकाल, संविधान और आगामी चुनावों को लेकर कांग्रेस को जमकर घेरा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी जी के खिलाफअपमानजनक टिप्पणियां करना कांग्रेस का पुराना इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि मैं इतना ही कहूंगा कि कांग्रेस मोदी जी को चाहे जितनी बड़ी गाली दे, यह कांग्रेस का इतिहास रहा है कभी गंदी नाली का कीड़ा कहना, कभी चौकीदार चोर है कहना, कभी मौत का सौदागर कहना और अब गोडसे या किसी और से जोड़ने की कोशिश करना।

महासमुंद में गर्म डस्ट गिरने से 5 मजदूर झुलसे

■ करणी स्टील-प्लांट में सफाई के दौरान हादसा

■ 35 से 75 प्रतिशत तक जले, रायपुर में चल रहा इलाज

महासमुंद (विश्व परिवार)। जिले के तुमगांव थाना क्षेत्र स्थित करणी कृपा पावर स्टील प्लांट में एक बार फिर बड़ा हादसा हुआ है। 24 नवंबर की रात औद्योगिक भट्ठी की सफाई के दौरान गर्म डस्ट 5 मजदूरों पर गिर गया। हादसे में सभी मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें इलाज के लिए रायपुर के कालड़ा नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। यहां बर्न यूनिट में उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, हादसा ग्राम खैरझिटी-कौंवाझर के बीच स्थित प्लांट में हुआ। पांचों मजदूर भट्ठी की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान भट्ठी में जमा गर्म डस्ट अचानक उनके ऊपर गिर गया। डस्ट पूरी तरह ठंडा नहीं हुआ था। इसकी चपेट में आने से सभी मजदूर झुलस गए। हादसे के बाद प्लांट प्रबंधन ने एंबुलेंस से घायलों को रायपुर भेजा। डॉक्टर सुनील कालड़ा के अनुसार,



मिथिलेश्वर 75 प्रतिशत, लाल सिंह 45 प्रतिशत, राजकुमार 35 प्रतिशत, भागवत 55 प्रतिशत और हेमंत 60 प्रतिशत तक झुलसे हैं। सभी की हालत गंभीर बताई गई है। प्लांट की औद्योगिक भट्ठी में गर्म डस्ट की चपेट में आने से पिछले तीन-चार साल में कई हादसे होने की जानकारी सामने आई है। जिसमें मजदूरों की मौत भी हो चुकी है।

भट्ठी की सफाई जैसे जोखिम भरे काम में डस्ट का पूरी तरह ठंडा होना और सुरक्षा नियमों का पालन करना जरूरी है। यह जांच का विषय है कि हादसे के समय डस्ट का तापमान जांचा गया था या नहीं। मजदूरों को जरूरी सुरक्षा उपकरण दिए गए थे या नहीं और सफाई के दौरान तय सुरक्षा प्रक्रिया अपनाई गई थी या नहीं। लगातार हादसों की जानकारी सामने आने के बाद प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की मांग उठ रही है।

सशस्त्र बलों के वीरता पुरस्कार विजेताओं को रेलवे की सौगात

■ अब सभी ट्रेनों में मिलेगी निःशुल्क यात्रा की सुविधा

नई दिल्ली। देश की रक्षा में असाधारण साहस और वीरता दिखाने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को अब और अधिक ट्रेनों में यात्रा की सुविधा मिलेगी। 'चक्र' श्रृंखला के वीरता पुरस्कार विजेता जवान वंदे भारत सहित देश की सभी ट्रेनों में निशुल्क यात्रा कर सकेंगे। रेल मंत्रालय ने रक्षा मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श के बाद इस सुविधा का विस्तार किया है। इससे पहले, यह सुविधा कुछ निर्धारित ट्रेनों तक सीमित थी। 'चक्र' श्रृंखला में परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र व शौर्य चक्र आदि देश के सर्वोच्च सैन्य वीरता पुरस्कार शामिल हैं। ये पुरस्कार युद्ध के दौरान दुश्मन के सामने असाधारण बहादुरी, साहस और बलिदान का परिचय देने वाले



सैनिकों को दिए जाते हैं। परमवीर चक्र देश का सर्वोच्च सैन्य वीरता पुरस्कार है। रेलवे ने ऐसे वीरता पुरस्कार विजेताओं को यह तोहफा दिया है। अब ये पुरस्कार विजेता जवान व अधिकारी वंदे भारत सहित सभी ट्रेनों में निशुल्क यात्रा कर सकेंगे। जहां पहले यह सुविधा केवल निर्धारित ट्रेनों तक सीमित थी, वहीं अब इसे सभी ट्रेनों पर लागू कर दिया गया है।

रेल मंत्रालय की इस पहल से देश के उन वीर जवानों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया है, जिन्होंने देश की रक्षा में अदम्य साहस, वीरता और बलिदान का परिचय दिया है। सेना ने बुधवार को बताया कि नई व्यवस्था के तहत चक्र श्रृंखला के वीरता पुरस्कार विजेताओं को वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। मंत्रालय के अनुसार, इस फैसले से पुरस्कार विजेताओं को पहले से मिल रहे यात्रा संबंधी अधिकारों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उनकी मौजूदा पात्रता और सुविधाएं पहले की तरह ही रहेंगी। केवल निशुल्क यात्रा की सुविधा का विस्तार करते हुए इसमें अब सभी ट्रेनों को शामिल कर लिया गया है। यह पहल देश के वीर जवानों की बहादुरी, त्याग और राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा के सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य उन सैनिकों के योगदान को सम्मान देना है, जिन्होंने देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता लेखक कनक तिवारी का निधन

■ प्रोफेसर से पत्रकार और फिर बने वकील, संविधान-आदिवासी अधिकारों पर लिखी किताबें

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पूर्व महाधिवक्ता, गांधीवादी चिंतक और लेखक कनक तिवारी का निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। बुधवार को तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें दुर्ग के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को 86 वर्ष की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। कनक तिवारी का जन्म 26 जुलाई 1940 को हुआ था। वे गांधीवादी विचारधारा, भारतीय संविधान और सामाजिक विषयों पर अपनी समझ और लेखन के लिए जाने जाते थे। उन्होंने लंबे समय तक लेखन के जरिए इन विषयों पर अपनी बात रखी। जानकारी के मुताबिक कनक तिवारी की बेटी फ्लिहाल सिंगापुर में रहती हैं। उनके सिंगापुर से दुर्ग पहुंचने के

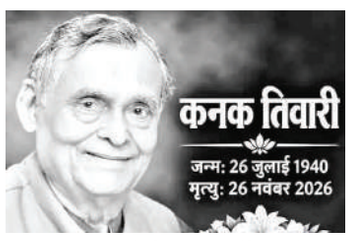

बाद शुक्रवार को पिता का अंतिम संस्कार किया जाएगा।कनक तिवारी ने अपने करियर की शुरुआत अंग्रेजी साहित्य के प्राध्यापक के रूप में की थी। करीब 8-9 साल तक उन्होंने कॉलेजों में पढ़ाया। इसके बाद पत्रकारिता में आए। वे पीटीआई, नवभारत टाइम्स, नवभारत और नागपुर टाइम्स जैसे संस्थानों से जुड़े रहे। उन्होंने 1971 में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से एलएलबी की परीक्षा स्वर्ण पदक के साथ पास की। इसके बाद वकालत शुरू की। कानून के साथ सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर भी उनकी गहरी पकड़ थी।

26/11 की बरसी : इजरायल ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दोहराई



नई दिल्ली। इजरायल ने गुरुवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और भारतीय लोगों के साहस तथा मुश्किल समय में दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले लोगों को सम्मान दिया। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, इजरायल भारतीय लोगों के मजबूत हौसले, दूसरों की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले बहादुर लोगों और 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों की याद को सम्मान देता है।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

हर पल को बनाए खास, हर तस्वीर को दे प्रोफेशनल अंदाज : मोटोरोला एज 70 नियो लॉन्च

रायपुर (विश्व परिवार)। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में दुनिया की प्रमुख कंपनी तथा भारत के प्रमुख9 एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज मोटोरोला एज 70 नियो के लॉन्च की घोषणा की। एआई-पावर्ड फोटोग्राफी, आरामदायक क्राड-कर्व्ड डिजाइन, इमर्सिव डिस्प्ले, दमदार परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी के साथ इस स्मार्टफोन को हर बारीकी कैद करने के लिए बनाया गया है। एआई-पावर्ड 50स्क्क सोनी लिटियाइ 710 कैमरा, 17.22ष्ट्ठ (6.8÷) एक्सट्रीम एमोलेड सुपर एचडी (1.5च्च) डिस्प्ले, स्नैपड्रैगन0 7ह्य जेन 3 चिपसेट और 7000द्बद्ध की बड़ी बैटरी के साथ मोटोरोला एज 70 नियो अलग पहचान वाले डिजाइन, काम की तकनीक और



रोजमर्रा की मजबूती का बेहतरीन संगम पेश करता है।

मोटोरोला एज 70 नियो अपने 50स्क्कसोनी लिटियाइ 710 मुख्य कैमरे के साथ एआई-पावर्ड फेटोग्राफी को सबसे आगे रखता है। असली जैसे रंग और बनावट के लिए एआई-ट्यून्ड यह कैमरा ऑटोमैटिक मोशन डिटेक्शन और तेज शटर रिस्पॉन्स का इस्तेमाल करता है, जिससे बिना धुंधलेपन वाली साफ तस्वीरें लेने में मदद मिलती है। ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन (ओआईएस) खासकर मुश्किल रोशनी में फोटो की स्पष्टता और बारीकियों को और बेहतर बनाता है। पैंटोनइ वैलिडेटेड कलर्स और स्किन टोन के साथ यूजर्स दुनिया को भरोसे के साथ ठीक वैसा ही कैद कर सकते हैं, जैसा वे देखते हैं। इसके अलावा यह कैमरा वीडियो एचडीआर, 4च्च वीडियो रिकॉर्डिंग और 10× सुपर जूम को भी सपोर्ट करता है, जिससे यूजर्स जीवंत दृश्यों और दूर की चीजों को ज्यादा साफ कैप्चर कर सकते हैं।

मुख्य कैमरे के साथ-साथ इसमें बारीक चीजें कैद करने के लिए एक खास मैक्रो कैमरा और सही रोशनी का

आज निगम की सामान्य सभा की बैठक



भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई की सामान्य सभा की बैठक दिनांक 27 नवम्बर 2026, शुक्रवार को निगम सभागार कक्ष में पूर्वान्ह 11:00 बजे से आयोजित की जाएगी। बैठक में निगम महापौर नीरज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू, निगम आयुक्त सुरूचि सिंह सहित निगम के जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

सामान्य सभा की बैठक में शहर के विकास एवं नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। शहर में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा जनहित से जुड़े विषयों को बैठक में प्रमुखता से रखा जाएगा। इसके साथ ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक विकास कार्यों को गति देने के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा नियमानुसार आवश्यक स्वीकृति प्रदान की जाएगी। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं, आवश्यकताओं एवं विकास संबंधी विषयों को भी सदन के समक्ष रखा जाएगा। इन विषयों पर चर्चा के माध्यम से शहर के विकास की प्राथमिकताएं तय करने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निर्णय लिए जाएंगे। नगर निगम की सामान्य सभा शहर के विकास एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और निर्णय लेने का प्रमुख मंच है। इस बैठक में लिए जाने वाले निर्णयों से निगम के विकास कार्यों को नई गति मिलने के साथ ही शहर के

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./37229 / न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक **26-11-2026**

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37229
वार्ड का नाम-31 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-31 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR229C00323** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PREMAKANT JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O PARAS CHAND JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री पारस चंद जैन** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - स्व. सिरेमल जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **वसीयतनामा एवं शपथ पत्र, संग्लन** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./37228/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक **26-11-2026**

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37228
वार्ड का नाम-31 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-31 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR229C00326** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. PREMKANTA JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O PARAS CHAND JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री पारस चंद जैन** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - स्व. सिरेमल जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **वसीयतनामा एवं शपथ पत्र, संग्लन** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./37127/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक **24-11-2026**

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37127
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R00771** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HIMANSHU SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TIKESHWAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANKUSH JAIN AND SUSHMA JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANGI LAL JAIN AND RAJESH KUMAR JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
3rd call

NIT NO: 195/PWD/Zone-9/2026-27 **RAIPUR DATED: 26/11/2026**

Online bids are invited for the following works of works up to Date 07/12/2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Type of Tender	Time allowed for Completion	SOR Applicable
01	204590	नवीन आंगनबाडी निर्माण मोवा (मस्जिद के पास) (वार्ड क्र. 11 डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड)	1500000/-	11250/-	Class- D & above	तृतीय	06 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 25/11/2026 17.30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk* at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. कार्य के लिए निविदा शुल्क राशि रु. 750.00 देय होगा तथा वापसी अयोग्य होगी।
4. अमानती राशि की एफ.डी.आर. एवं निविदा शुल्क राशि की (डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर चेक) राष्ट्रीयकृत बैंक का होना अनिवार्य है।
5. अमानती राशि की एफ.डी.आर. निविदा खोलने की तिथि तक वैध होना अनिवार्य है।

Zone Commissioner
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देंवें

न्यायालय नायब तहसीलदार
रायपुर, जिला रायपुर
(छत्तीसगढ़)

इश्तिहार

क्रमांक / / अ-6/2025-26
ग्राम चिरहुलडीह, प.ह.नं. 52
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)
रायपुर. दिनांक /19/11/ 2026

आवेदक **श्री राही सोनी पति सुभाष चंद्र सोनी निवासी तुलसी नगर पहाड़ी चौक गुढियारी रायपुर (छ.ग.)** द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम **चिरहुलडीह प.ह. नं. 52 रा.नि.म. रायपुर 03 तहसील व जिला रायपुर** स्थित भूमि ब्लॉक / **शीट नं.12 भूखंड क. 28 रकबा 906 वर्गफुट भूमि** को आवेदक/क्रेता द्वारा विक्रेता देवचरण यादव पिता स्व. बरातु यादव एवं अन्य निवासी रामनगर संतरामदास वार्ड नं. 25 रायपुर छ0ग0 **द्वारा आम मु.आम शशिकांत यादव पिता स्व राम प्रताप यादव निवासी पार्वती नगर गुढियारी रायपुर (छ0ग0)** से पंजीकृत बैनामा **दिनांक 27/10/2026** के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। अत: उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय के आधार पर आवेदक अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किये है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 14/12/2026** तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक 19/11/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर. (छ.ग.)

आम-सूचना

दिनांक 21/11/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/**आवेदिका PUSHPA-पति - MANOJ** पता- द्वारा आवेदित **ग्राम परसुलीडीह प.ह.न. 00023 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-16-सारागाँव** स्थित भूमि **खसरा नंबर 72/28 (0.1860)** हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय **तहसीलदार धरसीवा के ज्ञा0 रा0 प्र0 क्र.0 202611111700013** धरसीवा के आदेश **दिनांक 17/11/2026** के परिपालन में **दिनांक 01/12/2026** को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त दिनांक 01/12/2026 को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00023 **/राजस्व निरीक्षक रायपुर-16-सारागाँव** के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक:
Chandrika Raj
रायपुर-16-सारागाँव

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./37240/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : **26-11-2026**

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37240
वार्ड का नाम-14-रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **14** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR221B00071** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ROHIT KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHORI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री कुणाल बग्गा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री अमित बग्गा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./37227/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : **26-11-2026**

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37227
वार्ड का नाम-27-इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220J0534B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ABDUL RASID S/O ABDUL RAJJAK,ASIF AHEMAD S/O ABDUL AJIM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. मोहम्मद सोहेल सेठी पिता - रफिक सेठी, 2 श्री अनिल अग्रवाल- पिता श्री मदन लाल अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./37225/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : **26-11-2026**

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37225
वार्ड का नाम-14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **14** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220C0194D** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PREMCHAND KHILNANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MURLIDHAR KHILNANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती गीता बेन खांट** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री विजय खांट** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./37079/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 26-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37079
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **44** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739F0145A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOHAMMED GULAM KADIR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. HAZI MOHAMMED BASHIR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद तौकीर खान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. हाजी मोहम्मद बशीर खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./37074/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 26-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37074
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **44** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757D00116** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LILARAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शोभा दुर्गा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **किशोर कुमार गर्ग** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **अपंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./ 37075/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 26-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. . 37075
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **44** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739E0626A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RISHABH BARLOTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **आसिफ खान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. इकबाल खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./37071/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 26-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37071
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **44** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. . **RPR757C00305** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SWARNAKANTHA AROORA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अमिताभ अरोरा, धीरज अरोरा, सीमा मरवाह एवं ऋचा मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सभी पिता स्व. रामकृष्ण अरोरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, संपत्तिकर रसीद व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /37181/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 25-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37181
वार्ड का नाम-69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **69** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B0899B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUDHA GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIVNARAYAN GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RENU SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI AKASH SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एम.आई.जी. योजनांतर्गत हितग्राही **श्री नंद कुमार वैष्णव, पिता - स्व. लखन दास वैष्णव को** भवन / **भूखण्ड क्रमांक एम.आई.जी.-203, टाटीबंध, रायपुर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण** एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा आबंटित / नामांतरित किया गया है। हितग्राही द्वारा उक्त भवन का लीज फ्री-होल्ड संपरिवर्तन करने हेतु निर्धारित प्रारूप एवं दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति, शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था को कोई भी आपत्ति हो तो आम-सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./37255/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 26-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37255
वार्ड का नाम-34-पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **34** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR224B0175A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DHIRENDRA GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHIVDAS GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **नमन गुप्ता** पिता/पति, श्री/श्रीमती **धीरेन्द्र गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, शुक्रवार 27 नवंबर 2026

प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने जयनगर एवं रामनगर धान उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

किसानों से संवाद कर धान खरीदी व्यवस्थाओं की ली जायजा

धान की नमी एवं वजन की कराई जांच, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने आज सूरजपुर जिले के प्रवास के दौरान जयनगर एवं रामनगर धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए किसानों से संवाद किया तथा टोकन प्राप्त करने एवं धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी होने के संबंध में जानकारी ली। किसानों ने बताया कि उन्हें टोकन प्राप्त करने एवं धान विक्रय करने में किसी प्रकार की समस्या नहीं हो रही है।

प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने किसानों को कृषक उन्नति योजना के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष प्रति एकड़ निर्धारित 21 क्विंटल से कम धान विक्रय करने की स्थिति में भी पात्र किसानों को समर्थन मूल्य की अंतर राशि प्रति एकड़ के आधार पर पूरी प्रदान की जाएगी। उन्होंने किसानों को अपना धान विक्रय खाता बिचौलियों को नहीं देने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि राज्य शासन किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रभारी मंत्री को जिले में धान खरीदी के लिए की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा पारदर्शिता के साथ धान खरीदी की जा रही है। सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों के नाम सहित ऋण संबंधी सूची चस्पा की गई है। वहीं, माइक्रो एटीएम के माध्यम से किसानों को समिति स्तर पर ही राशि आहरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रभारी मंत्री ने सभी धान उपार्जन केंद्रों में कृषक उन्नति योजना से संबंधित पोस्टर लगाने एवं योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए।

रामनगर धान उपार्जन केंद्र में मंत्री श्री बघेल ने धान विक्रय करने पहुंचीं किसान श्रीमती विमला देवी एवं श्री रामविलास मानिकपुरी से चर्चा कर खरीदी व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्हें कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत मिलने वाली अंतर राशि के संबंध में अवगत कराया।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने नमी मापक यंत्र से धान की नमी की जांच कराई तथा तौल मशीन से धान की बोरियों का वजन कराकर देखा। उन्होंने निर्धारित मापदंड के अनुरूप बोरियों में धान भरने की समझाइश दी। इसके साथ ही हमालों से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

सूरजपुर में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, बंशीपुर में दो वाहन जप्त



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-खनिज शाखा विभाग सूरजपुर, राजस्व अमला एवं जिला स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है।

इसी कड़ी में विभागीय अमला एवं टास्क फोर्स द्वारा 24 नवंबर 2026 को बंशीपुर के आसपास के क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 02 वाहनों (टिपर) में कुल 14 घन मीटर अवैध रेत का परिवहन करते पाया गया।

अवैध वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों टिपर वाहनों को पुलिस थाना भटगाँव में सुपुर्द कराया गया है। जांच के दौरान पत्थर, गिट्टी, मुरूम, मिट्टी, ईंट, रेत आदि का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर मशीनरी एवं वाहनों को नियमानुसार जप्त कर प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। साथ ही अर्थदण्ड की वसूली भी की जा रही है।

विभाग ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

बाल विवाह के खिलाफ27 नवंबर को सूरजपुर में चलेगा जागरूकता महाअभियान

बाल विवाह रोकथाम की दिलाई जाएगी शपथ

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 27 नवंबर को सूरजपुर जिले में बाल विवाह के खिलाफ व्यापक जागरूकता महाअभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभाओं का आयोजन कर बाल विवाह रोकथाम के लिए जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान में शैक्षणिक संस्थाओं, आश्रम छात्रावासों, स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायती राज संस्थाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों, शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। इस दौरान आम नागरिकों को बाल विवाह रोकने की शपथ भी दिलाई जाएगी। साथ ही नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर ऑनलाइन सीधा प्रसारण किया जाएगा। अभियान के तहत बाल विवाह रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बच्चों एवं समाजसेवियों को भी प्रोत्साहित करने के लिए उनकी उपलब्धियों की जानकारी आमंत्रित की गई है।

शालीमार पेंट्स बनेगी देश की प्रमुख एकीकृत बिल्डिंग मटेरियल कंपनी, इन्फ्रा.मार्केट के विलय से कारोबार में होगा बड़ा विस्तार

मुंबई। देश की सबसे पुरानी पेंट कंपनियों में शामिल शालीमार पेंट्स लिमिटेड अब एक बड़े बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रही है। कंपनी का प्रस्तावित विलय इन्फ्रा.मार्केट (Infra.Market) के साथ होने के बाद यह केवल पेंट निर्माता कंपनी नहीं रहेगी, बल्कि एक एकीकृत बिल्डिंग मटेरियल कंपनी के रूप में काम करेगी। इस विलय के जरिए कंपनी निर्माण क्षेत्र से जुड़ी लगभग सभी प्रमुख सामग्रियों की आपूर्ति करने में सक्षम होगी। प्रस्तावित विलय पूरा होने के बाद संयुक्त कारोबार का वित्त वर्ष 2025-26 में प्रोफॉर्मा राजस्व 19,839 करोड़ रुपये और EBITDA 1,709 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। यह शालीमार पेंट्स के मौजूदा कारोबार के आकार से 30 गुना से अधिक है। संयुक्त कंपनी का पोर्टफोलियो किसी सामान्य निर्माण परियोजना की 90 से 95 प्रतिशत तक सामग्री संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा। कंपनी के अनुसार, संयुक्त कारोबार के पास देश के 22 राज्यों में 250 से अधिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट होंगे। इसके अलावा 20 हजार से अधिक रिटेल टचपॉइंट और 1,500 से ज्यादा कॉर्पोरेट ग्राहक होंगे। इन प्लांट्स में 150 से अधिक कंपनी के स्वामित्व वाले हैं, जबकि शेष एक्सक्लूसिव टाई-अप के माध्यम से संचालित होंगे।

मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक 1,000 इलेक्ट्रिक हेवी-ड्यूटी ट्रक उतारने वाला पहला और सबसे तेज भारतीय ब्रांड बना



नई दिल्ली : भारत के इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में व्यापक उत्पाद श्रृंखला पेश करने वाले ब्रांड मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक ने आज मानेसर स्थित अपने संयंत्र में अपना 1,000वां राइनो इलेक्ट्रिक ट्रक उतारा। इस उपलब्धि के साथ मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक यह मुकाम हासिल करने वाला भारत का पहला ब्रांड बन गया है।

इस उपलब्धि को कंपनी ने '1,000 राइनोज एंड बियॉन्ड, चार्ज द चेंज' थीम के तहत मनाया। इस पहल का प्रभाव इस बात से समझा जा सकता है कि अब तक सड़कों पर उतारे गए सभी राइनो ट्रक कुल मिलाकर 3.6 करोड़ किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुके हैं। इससे टेलपाइप से होने वाले अनुमानित 3.04 करोड़ किलोग्राम ष्टह्र२ उत्सर्जन में कमी आई है। यह उतनी मात्रा है, जितना उत्सर्जन लगभग 14 लाख पेड़ एक साल में सोखते हैं। इन ट्रकों के परिचालन से इनके संचालकों को 70 करोड़ रुपये से अधिक की बचत भी हुई है। जनवरी 2026 में राइनो 5538 ईवी को पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत प्रमाणन हासिल करने वाला भारत का पहला हेवी-ड्यूटी इलेक्ट्रिक ट्रक बनने से इस क्षेत्र को और गति मिली। इस योजना के तहत खरीदारों को प्रति वाहन 9.6 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि मिलती है। इस उपलब्धि पर मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक (टीआई क्लीन मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड) के प्रबंध निदेशक जलज गुप्ता ने कहा, जब हमने शुरुआत की थी, तब भारत में इलेक्ट्रिक हेवी ट्रकों का कोई बाजार मौजूद नहीं था, जिसके आधार पर हम आगे बढ़ सकते। हमें हर खेप के साथ यह साबित करना पड़ा कि ये ट्रक काम करने में सक्षम हैं और अपनी लागत भी वसूल कर सकते हैं।

संविधान दिवस पर जिला पंचायत परिसर में हुआ प्रस्तावना का वाचन, अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली शपथ



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला पंचायत सूरजपुर के कार्यालय परिसर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले ने संविधान दिवस के अवसर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन के माध्यम से सभी ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने तथा सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा एवं अवसर की समता सुनिश्चित करने के संकल्प को दोहराते हुए संविधान के प्रति निष्ठा, सम्मान एवं उसके आदर्शों और मूल्यों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।

रेज फाइनेंशियल सर्विसेज ने लॉन्च किया ट्रेडिंगचार्ट्स : भारतीय ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए नए सिरे से तैयार एआई आधारित चार्टिंग प्लेटफॉर्म

मुंबई : भारत के सबसे तेजी से बढ़ते ट्रेडिंग और इन्वेस्टिंग प्लेटफॉर्म्स में से एक, धन की मूल कंपनी रेज फाइनेंशियल सर्विसेज ने आज ट्रेडिंगचार्ट्स को लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक एआई आधारित चार्टिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे भारतीय ट्रेडर्स और निवेशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर नए सिरे से तैयार किया गया है। ट्रेडिंगचार्ट्स को पूरी तरह इन-हाउस डिजाइन और विकसित किया गया है। इसे धन के अपने ट्रेडिंग इंजन डेक्स्ट और रेज के अपने एआई सिस्टम के साथ गहराई से जोड़ा गया है। ट्रेडिंगचार्ट्स का मकसद लाखों भारतीय ट्रेडर्स और निवेशकों तक बाजार के विश्लेषण और ट्रेडिंग के आधुनिक टूल्स पहुंचाना है। इसके लिए trad-ingcharts.co पर एक स्वतंत्र चार्टिंग प्लेटफॉर्म के रूप में उन्नत चार्टिंग सुविधाएं मुफ्त दी जा रही हैं। यह प्लेटफॉर्म 20 से ज्यादा प्रकार के चार्ट, 200 से ज्यादा मुफ्त इंडिकेटर्स, 8 से ज्यादा चार्ट लेआउट और सेकंड से लेकर दिनों तक के कई टाइमफ्रेम पेश करता है। बाजार के गहन विश्लेषण के लिए इसमें ऑर्डर फ्लो, वॉल्यूम कैंडल्स, वॉल्यूम प्रोफाइल, डेप्थ ऑफ मार्केट और बार रीप्ले जैसे टूल्स भी मौजूद हैं। किसी ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म से जुड़ने पर ट्रेडिंगचार्ट्स बिना किसी अलग चार्टिंग सब्सक्रिप्शन के एनएसई, बीएसई और एमसीएक्स के सक्रिय सेगमेंट्स का रियल-टाइम टिक-बाय-टिक मार्केट डेटा दिखाता है।

एनआईआईटी फाउंडेशन और रायपुर प्रशासन ने 5,000 युवाओं को साइबर सुरक्षा और एआई में प्रशिक्षित करने के लिए मिलाया हाथ



रायपुर: एनआईआईटी फाउंडेशन ने रायपुर जिला प्रशासन के साथ एक साझेदारी की है। इसके तहत 5,000 छात्रों को साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल सुरक्षा में प्रशिक्षित किया जाएगा। युवाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने के प्रयासों के तहत एनआईआईटी फाउन्डेशन ने यह पहल की है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई की मौजूदगी में एमओयू एक्सचेंज किया गया। यह पहल साइबर सुरक्षा प्लस के माध्यम से लागू की जाएगी, साइबर एंड एआई वर्कफोर्स प्रोग्राम और साइबरस्मार्ट एआई प्राइम इस पहल के मुख्य अवयव होंगे।

इस प्रोग्राम में रायपुर जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित विभिन्न संस्थानों और केंद्रों के छात्र शामिल होंगे। यह प्रोग्राम एमओयू साईन किए जाने की तारीख से एक साल तक जारी रहेगा।

इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नई तकनीकों और सुरक्षित डिजिटल तौर-तरीकों का व्यावहारिक ज्ञान देना है, साथ ही शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता से जुड़ी क्षमताओं को विकसित करना है।

इस अवसर पर एनआईआईटी फाउंडेशन की कंट्री डायरेक्टर, डॉ. चारू कपूर ने कहा, ÷साइबर सुरक्षा प्लस के माध्यम से, हमारा लक्ष्य युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा जैसी उभरती तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। साथ ही हम ही जिम्मेदार और सुरक्षित डिजिटल तौर-तरीकों को भी बढ़ावा देना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के साथ यह साझेदारी युवाओं को ऐसे कौशल और जागरूकता विकसित करने में मदद करेगी, जिससे वे पूरे आत्मविश्वास के साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था में भाग ले सकें।

रायपुर के जिला कौशल विकास प्राधिकरण के सहायक निदेशक, शरत चंद्र शुक्ला ने कहा कि युवाओं में डिजिटल क्षमताएं विकसित करना बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि उन्हें शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों के लिए तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा, ÷साइबर सुरक्षा प्लस के जरिए एनआईआईटी फाउंडेशन के साथ यह साझेदारी युवाओं को साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल सुरक्षा के बारे में जागरूक बनाने में मदद करेगी।

ज्वेलरी दुकानों की सुरक्षा को लेकर सूरजपुर पुलिस अलर्ट

सीसीटीव्ही कैमरे एवं सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिले में ज्वेलरी दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोकने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने जिले के समस्त थाना-चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र की ज्वेलरी दुकानों का निरीक्षण कर सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच करने के निर्देश दिए थे।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश के परिपालन में दिनांक 25 नवम्बर को जिले के विभिन्न थाना-चौकी के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने क्षेत्र की ज्वेलरी दुकानों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान दुकानों में सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों की स्थिति, उनकी कार्यशीलता तथा रिकॉर्डिंग के लिए उपलब्ध बैकअप स्टोरेज की जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्देशित किया कि दुकान के अंदर एवं बाहर पर्याप्त संख्या में सीसीटीव्ही कैमरे लगाए ताकि दुकान के प्रवेश एवं निकास द्वार सहित आसपास की गतिविधियों पर भी सतत निगरानी रखी जा सके। साथ ही सीसीटीव्ही कैमरों को हमेशा चालू रखने तथा रिकॉर्डिंग का पर्याप्त बैकअप सुरक्षित रखने की समझाइश दी।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों को दुकान में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं अन्य कर्मियों का अनिवार्य रूप से पुलिस वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की पहचान समय रहते की जा सके।

इसके अतिरिक्त ज्वेलरी दुकानों में पुलिस कंट्रोल रूम, संबंधित थाना तथा क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों के संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से चस्पा करने के निर्देश दिए, जिससे किसी भी आपात स्थिति अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस तक पहुंचाई जा सके। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों को यह भी हिदायत दी कि दुकान में किसी संदिग्ध व्यक्ति के आने, लगातार दुकान के आसपास रेकी करने अथवा असामान्य गतिविधियां दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न करें तथा स्वयं भी सतर्क एवं सजग रहें।

सूरजपुर पुलिस ने ज्वेलरी व्यवसायियों से अपील की है कि वे अपनी दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। सीसीटीव्ही कैमरे, रिकॉर्डिंग बैकअप एवं कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन सुनिश्चित करें तथा पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखें। पुलिस एवं आम नागरिकों के आपसी सहयोग और सतर्कता से अप्रिय स्थिति की रोकथाम करने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।



संपादकीय

आम सहमति बनने तक

परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत जुटाने के क्रम में भाजपा ने जो तरीके अपनाए, उन्होंने संदेह और बढ़ाया है। कांग्रेस के परिसीमन संबंधी चार सूत्री प्रस्ताव को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। लोकसभा सीटों के परिसीमन का प्रश्न लोकतांत्रिक व्यवस्था की साख के सामने एक बड़ा सवाल बन कर खड़ा हो गया है। केंद्र के यह एलान करने के बाद कि सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ेंगी, दक्षिणी राज्यों की चिंताएं घटी हैं, लेकिन परिसीमन के जरिए चुनाव क्षेत्रों को सत्ताधारी दल के अनुरूप ढालने के अंदेशे गंभीर होते जा रहे हैं। असम में विधानसभा सीटों के परिसीमन का जो तजुर्बा रहा, उनसे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों के लिए दीर्घकालिक प्रतिकूल परिस्थितियां बनने की आशंका अधिक ठोस लगने लगी है। परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए संसद में दो तिहाई बहुमत जुटाने के क्रम में भाजपा ने जो तरीके अपनाए हैं, उन्होंने संदेह और बढ़ाया ही है। कांग्रेस के परिसीमन संबंधी चार सूत्री प्रस्ताव को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। केंद्र को इन पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उसे ध्यान में रखना चाहिए कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित गंभीर आरोपों और चुनाव संचालन संबंधी अन्य चिंताओं ने चुनाव प्रणाली को लेकर पहले ही अविश्वास की गहरी खाई बना रखी है। अब परिसीमन का रास्ता रोड-रोलर तरीके से साफ किया गया, तो उसका बेहद खराब असर होगा। अत: कांग्रेस की मांगों को फिलहाल मान लेना सही नजरिया होगा। कांग्रेस ने लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को यथावत बनाए रखने, राज्यों के बीच सीटों के वर्तमान अनुपात में फेरबदल ना करने, और मौजूदा सीट ढांचे के भीतर ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण (लगभग 182 सीटें) लागू करने का सुझाव दिया है। इनके साथ उसने परिसीमन की बहस को 25 वर्ष के लिए टाल देने की मांग भी की है। अगर यह अवधि ज्यादा है, तो इसे बदल कर राजनीतिक आम सहमति बनने तक के लिए इस बहस को टाला जा सकता है। यह फॉर्मूला मान लेने से महिलाओं के लिए आरक्षण का मकसद हासिल हो जाएगा, जबकि चुनाव प्रणाली को और अविश्वास का शिकार होने से बचा लिया जाएगा। जबकि रहस्य और संदेह के वातावरण में अगर सरकार ने आगे बढ़ने की कोशिश की, तो उससे निर्वाचन प्रणाली की साख पर बेहद गहरी चोट पहुंचेगी।

बाल विवाह मुक्त भारत:हर बेटी के सपनों को पूरा करने का संकल्प

श्रीमती सावित्री ठाकुर

विवाह जीवन के एक नए अध्याय का आरंभ होता है लेकिन जब दूल्हा या दुल्हन स्वयं बच्चे हों, तो यह उनके बचपन का अंत बन जाता है। जिस उम्र में बच्चों



को अपनी पहचान बनानी चाहिए, सपने देखने चाहिए और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को संवारना चाहिए, उस उम्र में उन पर ऐसी जिम्मेदारियां डाल दी जाती हैं, जिनके लिए वे तैयार नहीं होते। बाल विवाह केवल पीढ़ियों से चली आ रही कोई सामाजिक प्रथा नहीं है, बल्कि यह बच्चों के अधिकारों का हनन और उनके बचपन के साथ अन्याय भी है। 14 साल की उम्र में जिस बेटी के हाथों में किताबें होनी चाहिए, उस उम्र में उसके हाथ पीले कर दिए जाते हैं। पिछले दो दशकों में लगातार किए गए प्रयासों और मजबूत इच्छाशक्ति के कारण भारत में बाल विवाह के मामलों में काफ़ी कमी आई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6, 2023-24) के आंकड़ों के अनुसार, 20 से 24 वर्ष की आयु की ऐसी महिलाओं की संख्या में कमी आई है, जिनका विवाह 18 वर्ष की उम्र से पहले हुआ था। अब यह आंकड़ा घटकर 20.1 प्रतिशत रह गया है। दो दशक पहले एनएफएचएस-3 (2005-06) में यह आंकड़ा 47.4 प्रतिशत था। यह 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट लाखों बेटियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है। आज 28 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में हैं। हालांकि, हर पांच में से एक युवती का बाल विवाह होना अब भी एक बड़ी चुनौती है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए देश ने एक स्पष्ट समय-सीमा तय की है - वर्ष 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत।

बाल विवाह मुक्त भारत: दो वर्षों की निर्णायक यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की गरिमा, सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखा गया है। इसी संकल्प को गति देते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 5.3 के अनुरूप 27 नवंबर 2024 को 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की शुरुआत की। पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित इस अभियान में देश के 257 उच्च-प्रभावित जिलों को प्राथमिकता दी गई है। यह अभियान केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों और आम नागरिकों को एक मंच पर लाता है। पिछले दो वर्षों में इस अभियान ने जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव डाला है। अब तक 6.85 लाख जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 12.47 करोड़ लोगों तक संदेश पहुंचाया जा चुका है और 42 लाख से अधिक नागरिकों ने बाल विवाह के विरुद्ध शपथ ली है। 'बाल विवाह मुक्त भारत' पोर्टल पर 71,900 से अधिक बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) पंजीकृत हैं, जिनमें से लगभग 60,000 ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत हैं। इस पोर्टल के माध्यम से अब तक 4,500 से अधिक मामलों की सूचना दर्ज की जा चुकी है। नवंबर 2025 से मार्च 2026 के बीच चलाए गए पहले 100-दिवसीय विशेष अभियान ने इस संदेश को स्कूलों और कॉलेजों से लेकर मंदिरों, मस्जिदों, कैटरर्स, टेंट हाउस, डीजे संचालकों और ग्राम पंचायतों तक पहुंचाया। इसके उत्साहजनक परिणाम धरातल पर दिखने लगे हैं। छत्तीसगढ़ का बालोद जिला भारत का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बन गया है, जहां 436 ग्राम पंचायतों और 9 शहरी स्थानीय निकायों में लगातार दो वर्षों तक एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ। इसी प्रकार सूरजपुर जिले ने अपनी 75 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया है।

कठोर कानून और रोकथाम पर जोर

बाल विवाह के विरुद्ध भारत का संघर्ष राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर और महात्मा ज्योतिराव फुले जैसे समाज सुधारकों की विरासत से जुड़ा है, जिसकी परिणति बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के रूप में हुई। आज कानून पूरी तरह स्पष्ट है: 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह निषिद्ध है। ऐसा विवाह करवाने, बढ़ावा देने या इसमें शामिल होने वाले माता-पिता और अभिभावकों को दो वर्ष तक के कठोर कारावास और एक लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है।

नए आपराधिक कानूनों ने इस दिशा में किसी भी संदेह की गुंजाइश समाप्त कर दी है। भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की पत्नी के साथ किसी भी प्रकार का यौन संबंध दुष्कर्म की श्रेणी में आता है, और सर्वोच्च न्यायालय ने इसे पॉक्सो अधिनियम, 2012 के अंतर्गत गंभीर अपराध माना है। इसके साथ ही, 18 अक्टूबर 2024 के अपने ऐतिहासिक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने दंड के बजाय रोकथाम पर जोर देते हुए पूर्णकालिक सीएमपीओ की नियुक्ति और बाल सगाई पर प्रतिबंध के निर्देश दिए।

ग्राम सभा और समुदाय की अग्रणी भूमिका

कानून आवश्यक हैं, लेकिन केवल कानून से उस कुप्रथा को समाप्त नहीं किया जा सकता जिसे सामाजिक स्वीकृति और चुप्पी का सहारा मिला हो। बाल विवाह गांव और समाज के भीतर तय होते हैं, इसलिए इनका अंत भी वहीं होना चाहिए। पंचायती राज मंत्रालय के साथ साझेदारी करते हुए अब ग्राम सभाओं को इस मिशन की अगली पंक्ति में रखा गया है। 2 अक्टूबर को देश भर की ग्राम सभाओं से अपने गांवों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने के प्रस्ताव पारित करने का आह्वान किया गया। स्थानीय सीएमपीओ द्वारा सत्यापन के बाद ही सरपंच, पंचायत सचिव, प्रखंड विकास अधिकारी और सीएमपीओ के संयुक्त हस्ताक्षर से 'बाल विवाह मुक्त ग्राम प्रमाण-पत्र' जारी किया जाएगा। इसके साथ ही, मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान को भी 'बाल विवाह मुक्त भारत' से जोड़ा गया है। स्कूल में लौटने वाली हर बेटी बाल विवाह से सुरक्षित होती है। अब दोनों अभियानों का साझा मंत्र होना चाहिए - 'पहले पढ़ाई, फिर शादी'। जब कोई पुजारी या कैटरर नाबालिग के विवाह में सेवा देने से इनकार करता है और जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सरपंच सतर्क रहते हैं, तब बाल विवाह को सहारा देने वाली चुप्पी टूटती है।

27 नवंबर का महत्व और हमारा सामूहिक वादा

27 नवंबर 2026 का दिन विशेष महत्व रखता है। एक ओर यह 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के दो वर्ष पूर्ण होने का अवसर है, तो दूसरी ओर इसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित पहला 'अंतर्राष्ट्रीय बाल, प्रारंभिक और जबरन विवाह उन्मूलन दिवस' मनाया जाएगा, जिसके प्रस्ताव का भारत सह-प्रायोजक रहा है। यह दिवस लैंगिक हिंसा के विरुद्ध 16 दिवसीय अभियान (25 नवंबर से 10 दिसंबर) के मध्य आता है, जो इस सत्य को रेखांकित करता है कि बाल विवाह स्वयं एक हिंसा है और अक्सर घरेलू हिंसा का द्वार खोलता है। बाल विवाह कोई निजी पारिवारिक मामला नहीं है। मंत्रालय का राष्ट्रीय अभियान 'नंबर सेव किया?' हर परिवार को याद दिलाता है कि वे संकट में फंसे बच्चों के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और महिलाओं के लिए महिला हेल्पलाइन 181 को अपने फोन में सुरक्षित रखें और किसी भी संभावित बाल विवाह की सूचना पोर्टल या मिशन शक्ति ऐप पर दें। जो बेटी पढ़ाई पूरी कर अपने पैरों पर खड़ी होती है और अपने जीवन के निर्णय खुद लेती है, उसे आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। ऐसी ही बेटियाँ विकसित भारत के सपने को साकार करने में योगदान देंगी। हमारा संकल्प है कि 2030 तक भारत पूरी तरह बाल विवाह मुक्त हो। यह केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि हर बेटी के बेहतर भविष्य के लिए हमारा दायित्व है, जिसे हमें मिलकर पूरा करना है।

(लेखिका श्रीमती सावित्री ठाकुर, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री हैं।)

आलेख

भारत क्या आर्थिक तबाही के मुहाने पर है?

अजीत द्विवेदी

यह बात राहुल गांधी ने कही है। मंगलवार, 17 नवंबर को न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ संवाद के दौरान अमेरिकी पत्रकार लिडिया पोलग्रीन के साथ बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने भारत के मौजूदा आर्थिक मॉडल की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था 'डिजास्टर' यानी तबाही की कगार पर बैठी है। इससे पहले जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था का मजाक उड़ाते हुए इसे 'डेड इकोनॉमी' कहा था तब भी राहुल ने उनके इस बयान को इंडोर्स किया था। तभी सवाल है कि क्या सचमुच भारत का ऑर्थिक मॉडल बहुत खराब है? अगर खराब है तो क्या एनडीए की मौजूदा सरकार इस मॉडल को लेकर आई है या यह भारत में पहले से चल रहे ऑर्थिक मॉडल की निरंतरता है? और क्या सचमुच भारत की अर्थव्यवस्था 'डिजास्टर' की कगार पर है और कभी भी तबाह हो सकती है? इन सवालों के जवाब आसान नहीं हैं। अगर राजनीतिक पैमाने पर अच्छे और बुरे की बाइनरी में देखेंगो तो निष्कर्ष आसानी से निकल सकता है। लेकिन वस्तुनिष्ठ तरीके से देखेंगे तो जवाब ब्लैक एंड व्हाइट में हां या नहीं नहीं होगा। राहुल गांधी ने अपनी बात कहने का जो आधार बताया है उसमें भी सचाई है। उन्होंने बेरोजगारी और युवाओं की निराशा को एक कारण बताया। उन्होंने कहा कि कि भारत एक गंभीर रोजगार संकट से जूझ रहा है। उनके मुताबिक, देश की मौजूदा विकास दर पर्याप्त रोजगार पैदा करने में विफल रही है, जिससे शिक्षित और मध्यम वर्गीय युवाओं में अपने भविष्य को लेकर गहरा असंतोष है। इससे किसी को इनकार नहीं हो सकता है। हाल के दिनों में युवाओं के जो प्रदर्शन हुए हैं वो इसकी कहानी बयां करते हैं। इसके बाद राहुल गांधी ने दावा किया कि भारत के विनिर्माण सेक्टर की रीढ़ टूट चुकी है और पिछले एक दशक से देश के आर्थिक मॉडल ने अपेक्षित परिणाम देना बंद कर दिया है। उन्होंने एमएसएमई सेक्टर की विफलता का जिक्र किया और कहा कि छोटे व्यवसाय और कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो सबसे अधिक रोजगार देते हैं, लेकिन मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण ये क्षेत्र भारी दबाव में हैं। इससे भी किसी को इनकार नहीं हो सकता है। नवंबर 2016 में हुई नोटबंदी और 2017 में जल्दबाजी में लाई गई जीएसटी की व्यवस्था ने कृषि आधारित रोजगार और एमएसएमई सेक्टर को निश्चित रूप से कमजोर किया। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता है कि मौजूदा सरकार ने एकाधिकार वाले मॉडल की अर्थव्यवस्था बनवाई है। बड़े कॉरपोरेशन बनाने के नाम पर चुनिंदा कंपनियों को आगे बढ़ाया है। इससे प्रतिस्पर्धा कम हुई है, जिसकी कीमत आम लोगों को चुकानी पड़ रही है। राहुल गांधी के बयानों के जवाब में भाजपा के नेता जो बयान दे रहे हैं वह बहुत सतही और काफी हद तक अनर्गल है। वे सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना को देश का विरोध कह रहे हैं। ऐसा नहीं है। राहुल गांधी भारत के खिलाफ दुष्प्रचार नहीं कर रहे थे। अगर वे आर्थिक नीतियों, रोजगार की स्थिति और शिक्षा व्यवस्था की खामियों की चर्चा किसी बौद्धिक विमर्श में करते हैं तो इसे भारत विरोधी नहीं कहा जा सकता है। ज्यादा से ज्यादा उनके शब्दों के चयन पर सवाल उठा सकते हैं और इसे अतिशयोक्ति कह सकते हैं। ध्यान रहे राहुल गांधी सरकार की आलोचना करते हुए हमेशा अतिशयोक्ति अलंकार में बात करते हैं। वे आलोचना को वस्तुनिष्ठ रखने का प्रयास नहीं करते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की जो कमियां हैं वो अपनी जगह हैं। लेकिन कुछ चीजों में सुधार भी हो रहा है। जो चीजें सुधर रही हैं उनमें यूपीए के शासन में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए किए गए प्रयासों का भी योगदान है। स्टैनली मॉर्गन ने भारत को उस समय तुर्की, इंडोनेशिय, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ 'फ्रेजाइल फाइव' अर्थव्यवस्था में रखा था। मनमोहन सिंह की नीतियों के कारण भारत 2014 में ही इससे बाहर निकल गया। उसके बाद बहुत सारी चीजें ठीक दिशा में आगे बढ़ी हैं। बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा है और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी संरचना का विकास हुआ है। दुनिया के देशों के साथ भारत का व्यापार अब भी घाटे वाला है लेकिन निर्यात में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अक्टूबर में वस्तुओं का निर्यात 50 अरब डॉलर का रहा।

यह लिबरल समूहों की अनिच्छा है या अक्षमता?

सत्येन्द्र रंजन

कांग्रेस के दूसरे 'भारत समिट' में तमाम तरह की बाते हुई लेकिन कुल मिलाकर हैदराबाद में जुटे लिबरल समूहों ने अनिच्छा अथवा अक्षमता का परिचय दिया है। कांग्रेस नेतृत्व अगर बौद्धिक साहस का परिचय देता, तो वह उस विमर्श को अपनी चर्चा का हिस्सा बना सकता था, जिसमें लिबरल दायरे में रहते हुए ही 'फासिस्ट' चुनौती का मुकाबला करने की दलीलें पेश की जा रही हैं। ..वैसे, उनसे इससे अलग कोई उम्मीद रखने का भी कोई आधार भी नहीं था। इसलिए वही बात हुई, जो अपेक्षित थी! कांग्रेस के दूसरे 'भारत समिट' से पहले बताया गया था कि इस आयोजन का मकसद विभिन्न देशों की प्रगतिशील शक्तियों को एक मंच पर लाकर लोकतंत्र पर दक्षिणपंथी हमले के खिलाफ सामूहिक राजनीतिक पहल की तैयारी करना है। आयोजकों ने संकेत दिया कि हैदराबाद में (12ङ्क14 नवंबर 2026) इस सम्मेलन के दौरान धुर-दक्षिणपंथ के उदार लोकतंत्र पर हमलों से लड़ने की कोई ठोस रणनीति बनेगी। क्या वास्तव में ऐसा हुआ? चूंकि इस स्तंभकार को यह जानकारी नहीं है कि इस संबंध में हैदराबाद में सचमुच कोई चर्चा हुई या नहीं, आम सहमति से कोई रणनीति तैयार हुई या नहीं, इसलिए यह विश्लेषण पूरी तरह मीडिया रिपोर्टों और सम्मेलन के समापन सत्र में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दिए लगभग 21 मिनट के भाषण पर आधारित है। राहुल गांधी के भाषण को अगर सम्मेलन का सार समझा जाए, तो संकेत मिलता है कि यह पूरा आयोजन लिबरल दायरे में मौजूद दिग्भ्रम और निराशा से निकलने की दिशा में कोई प्रगति नहीं कर पाया। इस बात को समझने के लिए, आइए, गांधी के भाषण का विश्लेषण करते है: राहुल गांधी ने भारत को केंद्र में रखते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर फासीवादी शक्तियों का नियंत्रण बन जाने की चर्चा की। उन्होंने फासीवादी की परिभाषा उस व्यक्ति के रूप में की, जो खुद को सर्वज्ञाता समझता है, जो मानता है कि उसे हर समाधान पता है और जो किसी और की बात नहीं सुनता। मतलब यह कि राहुल गांधी फासीवाद को व्यक्ति की बुराई के अर्थ में समझते हैं। वे इसे शासक वर्ग (जो आज के दौर में पूंजीपति और उनसे सीधे जुड़े तबके हैं) की रणनीति के रूप में नहीं देखते। यानी एक वर्ग-गत और व्यवस्था-गत राजनीतिक परिघटना को वे व्यक्तिगत कमजोरी का परिणाम मानते हैं। अगर समस्या यह है कि तो जाहिर है, उसका समाधान संबंधित व्यक्ति को सत्ता से हटा देना समझा जाएगा। भारत के संदर्भ में इसका अर्थ होगा नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटा देना। लेकिन तब प्रश्न यह उठेगा कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि इस खास काल-खंड में दुनिया के अनेक देशों में एक साथ ऐसे बुरे लोग सत्ता में आ गए हैं? नेता विपक्ष ने इतनी दूर तक जाने की जरूरत नहीं समझी।राहुल गांधी ने कहा कि सारी समस्या 2008 (यानी उस समय आई वैश्विक मंदी) के बाद खड़ी हुई। मंदी से निकलने के लिए वित्तीय व्यवस्था में असीमित नकदी झोंक दी गई। उन्होंने कहा नहीं, लेकिन इस स्तंभकार ने यह निहितार्थ समझा कि उस नकदी को फासिस्ट नेताओं ने हथिया लिया और उसके जरिए उन्होंने राजनीति का स्वरूप बदल दिया। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में 2014 के आम चुनाव में करोड़ों रुपये झोंक कर ऐसा चुनाव अभियान चलाया गया कि विपक्ष भौंचक रह गया। एक दशक तक विपक्ष उस सदमे से उबर नहीं पाया। मगर इस समझ से यह जवाब नहीं मिलता कि नरेंद्र मोदी या उन जैसे नेताओं को वो द्वद्वद्यद्यद्वश्ठ्ठह्य ड्डठ्ठस्र द्वद्वद्य-द्यद्वश्ठ्ठह्य श्द्ध स्रश्द्यद्यड्डह्म्ह्य हासिल कैसे हुए? यह रकम उनके पास आ गई या उनके पीछे से किसी ने उन पर दांव लगाते हुए यह रकम राजनीति में झोंकी? अगर कुछ अन्य लोगों ने झोंकी, तो वो कौन थे? और उन्होंने ऐसा कर सकने की हैसियत कैसे हासिल की? क्या इस घटनाक्रम का कोई संबंध उन नव-उदारवादी नीतियों से है, जिन्हें 1980 के दशक के बाद दुनिया भर में, और 1991 से भारत में आक्रामक ढंग से लागू किया गया था? इस घटनाक्रम की व्याख्या राहुल गांधी के लिए असहज होगी। इसलिए कि तब बात नव-उदारवादी नीतियों के सूत्रधारों तक जाएगी। बात यहां तक जाएगी कि कैसे उन नीतियों ने अर्थव्यवस्था में मोनोपॉली घराने कायम किए? चूंकि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी ने आज तक उन नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा नहीं की है, इसलिए उनका विकल्प सोचने की कोशिश भी उन्होंने नहीं की है। ऐसे में समस्या को स्पर्श करते हुए आगे निकल जाना उनकी मजबूरी बनी हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि 2024 आते-आते लोकतंत्र की तमाम संस्थाओं पर कब्जा कर लिया गया था। 2024 के आम चुनाव की वैधता पर उन्होंने वाजिब सवाल उठाए। फिर कहा कि वे एक के बाद एक कई ऐसे राज्य-स्तरीय चुनावों का उल्लेख कर सकते हैं, जिन्हें चुरा लिया गया।इसके बावजूद गांधी एलान करते रहे हैं कि नरेंद्र मोदी को विपक्ष हरा देगा। लेकिन वे इसे नहीं बताते कि अगर चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं हो रहे हैं, इसमें सभी हित-धारकों को समान धरातल नहीं मिल रहा है, और उन्हें चुरा लिया जा रहा है, तो विपक्ष आखिर मोदी नेतृत्व वाली भाजपा को किस चमत्कार से हराएगा? चूंकि, संभवत: यह जवाब उनके पास नहीं है और ऐसा कर सकने की कोई रणनीतिक दृष्टि भी उनकी पार्टी के पास नहीं है, तो फिर बात भावात्मक दायरे में पहुंच जाती है। तो राहुल गांधी ने कहा- भाजपा को सत्य परास्त करेगा। महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए उन्होंने सत्य और अहिंसा, प्रेम और करुणा की शक्ति का उल्लेख किया। इस बीच वे अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सीधे जनता से जुड़ने के महत्त्व की चर्चा कर चुके थे। बेशक, उनकी उस यात्रा ने एक सकारात्मक माहौल बनाया था। उससे राहुल गांधी का राजनीतिक कद भी बढ़ा। लेकिन राहुल इसकी चर्चा नहीं करते कि उस राह को उन्होंने छोड़ क्यों दिया? आगे चल कर उनमें वे कोई नवीनता क्यों नहीं जोड़ पाए? लगभग पांच महीनों की यात्रा के बाद वे फिर आम सियासत में क्यों घुल-मिल गए? ये महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं। इनका उत्तर ढूंढे बिना 'फासिस्ट' नेताओं का मुकाबला करने की बातें इरादा हो सकती हैं, लेकिन उनसे कोई वैकल्पिक राजनीति निकलने की संभावना नहीं बन सकती। हैदराबाद सम्मेलन से संभवत: ऐसा हुआ भी नहीं। तो सम्मेलन का कुल नतीजा रहा: ङ्क ह्रह्वह्र ङ्खश्हद्यस्र द्वठ्ठह्यह्लद्वह्लह्लह्लद्र नाम से दुनिया के प्रगतिशील राजनीतिक दलों, विचारकों और नीति विशेषज्ञों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंक के गठन की पहल। मतदाता सूची में गड़बड़ियों, चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और चुनाव आयोग की जवाबदेही पर चर्चा।आर्थिक असमानता, श्रमिक अधिकार, लैंगिक समानता, मीडिया की स्वतंत्रता और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों को लोकतंत्र की लड़ाई से जोड़ने का इरादा जताना।

नीतियों को मुंह चिढ़ाती किसान आत्महत्याएं

योगेंद्र योगी

इसका अर्थ है कि कृषि संकट अब केवल भूमि मालिक किसानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सबसे कमजोर वर्ग-जमीनहीन और दिहाड़ी मजदूरों पर जीवनयापन करने वाले लोगों की ओर बढ़ रहा है। साल 2000 से 2009 के बीच देशभर में 154000 से अधिक आत्महत्याएं दर्ज की गईं। वर्ष 2002 सबसे विनाशकारी साबित हुआ। इस साल 17971 किसानों ने अपनी जान गंवाई। महाराष्ट्र और कर्नाटक में आत्महत्या की दर 1990 के दशक के मध्य से लगातार राष्ट्रीय औसत से लगभग ढाई गुना अधिक रही है। 1995 से दर्ज की गई सभी कृषि आत्महत्याओं में से लगभग 72.5 प्रतिशत दक्षिण और पश्चिम भारत में हुईं, जबकि अकेले आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 170000 से अधिक मौतें दर्ज की गईं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार को डीजल की कीमतों में 50 रुपए की बढ़ोतरी करनी चाहिए थी, लेकिन उसने केवल 7 रुपए की बढ़ोतरी की। उन्होंने कहा कि सरकार ने उर्वरकों को किफायती बनाए रखने के लिए 12 वर्षों में 16 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं और पश्चिम एशिया संकट के बीच डीजल की कीमतों में वृद्धि को सीमित करने के लिए हर महीने 14000 करोड़ रुपए का बोझ वहन कर रही है। केंद्र की भाजपा सरकार के किसान हितैषी के दावों के बावजूद देश में किसानों की हालत दयनीय बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा मई में जारी रिपोर्ट में भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्याएं साल 2024 के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में कृषि से जुड़े 10546 लोगों ने आत्महत्या की। देश में हुई कुल 170746 आत्महत्याओं में से यह आंकड़ा लगभग 6.2 प्रतिशत है। संख्या के लिहाज से यह 2023 में दर्ज 10786 से थोड़ा कम है, लेकिन इसके पीछे की सच्चाई राहत नहीं देती। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब आत्महत्याओं की संख्या में गिरावट आई है, जो 2022 में 11290 के उच्चतम स्तर के बाद शुरू हुई। इसके बावजूद, देश भर में औसतन हर दिन 28 किसान और कृषि मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं। कृषि संकट के कारण लगभग हर घंटे एक व्यक्ति की जान जा रही है। पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों पर करीब से नजर डालने से यह स्पष्ट हो जाता है कि कुल संख्या में यह मामूली गिरावट इस बात का संकेत नहीं है कि समस्या का समाधान हो गया है, बल्कि यह केवल आंकड़ों में उतार-चढ़ाव है। जमीनी हकीकत में बहुत कम बदलाव आया है। इस रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू आत्महत्या करने वालों में कृषि श्रमिकों की बढ़ती संख्या



है। कृषि से संबंधित कुल 10546 मौतों में से 5913 यानी पूरे 56 प्रतिशत भूमिहीन कृषि श्रमिक थे, जिनके पास अपनी कोई जमीन नहीं थी। पिछले पांच वर्षों में यह दूसरी सबसे अधिक संख्या है। 2020 में यह संख्या केवल 47.5 प्रतिशत थी, और तब से, विशेष रूप से 2021 के बाद, इसमें लगातार वृद्धि हुई है। इसके विपरीत अपनी जमीन पर खेती करने वाले किसानों में आत्महत्या की दर हाल के वर्षों में घट रही थी, लेकिन 2024 में इसमें थोड़ी वृद्धि देखी गई। कुल कृषि आत्महत्याओं में किसानों की संख्या 2023 के 43.5 प्रतिशत से बढक़र लगभग 44 प्रतिशत हो गई। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि ग्रामीण भारत की आय संरचना में हो रहे एक मूलभूत परिवर्तन का प्रतिबिंब है। भारत में होने वाली हर तीन में से एक मौत महाराष्ट्र में हुई। राज्यवार आंकड़ों को देखें तो महाराष्ट्र की स्थिति एक बार फिर निराशाजनक है। महाराष्ट्र में 2024 में राज्य में किसानों और कृषि श्रमिकों के बीच 3824 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो देश भर में कृषि संबंधी कुल आत्महत्याओं का 36.5 प्रतिशत है। हालांकि एनसीआरबी की रिपोर्ट में इन आत्महत्याओं के सटीक कारणों का उल्लेख नहीं है, लेकिन जलवायु आपदाओं के रिकॉर्ड से इसका संबंध स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक का स्थान आता है, जहां 2971 मौतें दर्ज की गईं। साल 2023 की तुलना में 22.5 प्रतिशत की वृद्धि है। मध्य प्रदेश में 835 मौतें दर्ज की गईं, जो 7.25 प्रतिशत की वृद्धि है। राजस्थान में भी लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसके विपरीत आंध्र प्रदेश, जो 780 आत्महत्याओं के साथ चौथे स्थान पर है। यह इस बात का प्रमाण है कि इस संकट का क्षेत्रीय स्वरूप कितना असमान है। तमिलनाडु में 503 और छत्तीसगढ़ में 486 मौतें दर्ज की गईं। केंद्र शासित प्रदेशों में, पुडुचेरी के आंकड़े सबसे अधिक चिंताजनक साबित हुए। साल 2019 और 2022 के बीच वहां एक भी कृषि आत्महत्या दर्ज नहीं की गई थी, लेकिन 2023 में दस मामले सामने आए और 2024 तक यह संख्या बढक़र तैंतीस हो गई। एक ही वर्ष में 230 प्रतिशत की वृद्धि, और इन सभी पीड़ितों में से प्रत्येक एक कृषि मजदूर था। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े, घनी आबादी वाले कृषि प्रधान राज्य की स्थिति भी इस रिपोर्ट से उभर कर सामने आती है। हालांकि वहां आत्महत्याओं की कुल संख्या महाराष्ट्र, कर्नाटक या मध्य प्रदेश की तुलना में कम है, लेकिन वृद्धि की गति चौंकाने वाली है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि श्रम पर आधारित आजीविका का हिस्सा बढऩे के बावजूद, वहां भी कृषि श्रमिकों में आत्महत्याओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। भारत में कृषि आत्महत्या का संकट लगभग तीन दशकों से चला आ रहा है।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के आचार्य पदारोहण दिवस पर जिनशासन के पांच आधारों का स्मरण

कुण्डलपुर (दमोह) (विश्व परिवार)। आचार्य परमेष्ठी का जीवन केवल स्वयं की साधना और आत्मकल्याण तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह जिनशासन की प्रभावना, संघ निर्माण, समाज को संस्कारित करने और श्रमण संस्कृति को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम बनता है। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अपने संपूर्ण जीवन में संघ, साधना, स्वाध्याय, समाज और संस्कृति को पांच प्रमुख आधारों के रूप में स्थापित कर जिनशासन को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, ज्ञान, करुणा और वीतरागता का अनुपम उदाहरण है। यह विचार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के 55 वें आचार्य पदारोहण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्र प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने

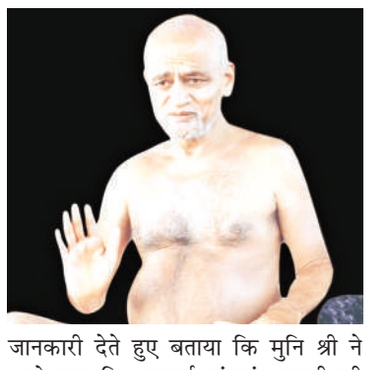

जानकारी देते हुए बताया कि मुनि श्री ने आगे कहा कि आचार्य कुंदकुंद स्वामी की आम्नाय परंपरा में आचार्य शांतिसागर, आचार्य शिवसागर, आचार्य ज्ञानसागर और उनके द्वारा दीक्षित मुनि विद्यासागर से आचार्य विद्यासागर तक की गुरु परंपरा जिनशासन की गौरवशाली धरोहर है। 22 नवंबर 1972 मार्गशीर्ष वदी द्वितीया को राजस्थान के नसीराबाद में मुनि विद्यासागर जी को आचार्य पद प्रदान किया गया था। इसी ऐतिहासिक तिथि के स्मरण में 26 नवंबर 2026 को आचार्य पदारोहण दिवस मनाया जा रहा है। आचार्य श्री का आचार्यत्व काल 1972 से 2024 तक रहा, जो लगभग 54 वर्षों की ऐसी आध्यात्मिक यात्रा थी, जिसने हजारों लोगों के जीवन और चिंतन को गहराई से प्रभावित किया।

मुनिश्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि आचार्य श्री ने अपने जीवन में पांच आधारों को जिनशासन की उन्नति की धुरी बनाया। जिस प्रकार किसी वाहन का पूरा भार उसकी धुरी पर टिका रहता है, उसी प्रकार संघ, साधना, स्वाध्याय, समाज और संस्कृति के माध्यम से उन्होंने धर्म की परंपरा को सुदृढ़ता प्रदान की। संघ के क्षेत्र में उन्होंने अनुशासित, संस्कारित और साधनामय विशाल संघ का निर्माण किया। साधना के क्षेत्र में उनका त्याग और तपस्या स्वयं में अनुकरणीय रहे। उन्होंने कभी अपनी साधना का स्वयं बखान नहीं किया, बल्कि उनकी तपश्चर्या और त्याग को देखकर समाज ने सहज रूप से उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण की।

उन्होंने कहा कि आचार्य श्री अंतिम समय तक स्वाध्याय में निरंतर संलग्न रहे। आचार्य कुंदकुंद स्वामी और आचार्य समंतभद्र स्वामी के ग्रंथों का उन्होंने गहन और तलस्पर्शी अध्ययन किया। समाधि की साधना के अंतिम चरणों में भी स्वाध्याय के प्रति उनकी निष्ठा अविचल बनी रही। साहित्य सृजन के माध्यम से उन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना कर ज्ञान की अमूल्य विरासत समाज को प्रदान की।

मुनिश्री ने कहा कि आचार्य श्री ने समाज को जोड़ने का कार्य किया। अलग-अलग आम्नाय, परंपराओं और विचारधाराओं के बावजूद उन्होंने कभी श्रावकों के बीच भेदभाव नहीं किया। सभी को समानता और समता की दृष्टि से देखते हुए वीतरागता तथा अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उनका संदेश था कि जीवन का मूल उद्देश्य वीतरागता प्राप्त करना होना चाहिए।

माता खल्लारी की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न, श्रद्धालुओं में उत्साह

आरंग (विश्व परिवार)। ग्राम चरौदा में स्थित माता खल्लारी मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य सम्पन्न होने के बाद गुरुवार को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ माता खल्लारी की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए।

मंदिर का जीर्णोद्धार स्वर्गीय बन्धु साहू की स्मृति में उनके धर्मपत्नी श्रीमती सुरूज बाई, सुपुत्र शिवकुमार साहू के परिवार द्वारा कराया गया है।

माता खल्लारी ग्राम की मुख्य देवी और जन आस्था का केंद्र हैं। ग्राम के पूर्व में प्रवेश द्वार पर माता खल्लारी, पश्चिम में माता चंडी, उत्तर में चितावर दाई और गांव के मध्य में माता शीतला स्थापित हैं। दोनों नवरात्रि में चारों बहनों की विशेष पूजा-अर्चना होती है और सैकड़ों मनोकामना ज्योतियां



प्रज्वलित की जाती हैं।

शिवकुमार साहू ने बताया कि माता खल्लारी की महिमा निराली है। सच्ची आस्था से मत्था टेकने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामना माता अवश्य पूरी करती हैं। माता के आशीर्वाद से उनकी मनोकामना पूरी हुई, जिससे प्रेरित होकर उन्होंने जीर्णोद्धार का संकल्प लिया था।

विवाह के अवसर पर युवक-युवतियां माता से आशीर्वाद लेकर यहीं से चूलमाटी लेकर जाते हैं, इसलिए यह मंदिर और भी महत्वपूर्ण आस्था का केंद्र है।

पहले मंदिर में पूजा स्व. पुनीत राम धीवर, फिर शंतु धीवर, खोरबाहरा यादव, शत्रुहन यादव, बुधारू यादव और शत्रुहन साहू द्वारा की जाती थी। पिछले कुछ वर्षों से पूजा का दायित्व सुरेन्द्र और मुकेश धीवर निभा रहे हैं।

कामधेनु माता की समाधि पर बनेगा कामधेनु धाम, भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। खैरागढ़ स्थित मनोहर गौशाला में गौमाता की सेवा, संरक्षण, चिकित्सा और अनुसंधान को समर्पित श्री कामधेनु मंदिर धाम का निर्माण किया जाएगा। कामधेनु माता की समाधि में यह धाम बनाया जाएगा। इसके



लिए गुरुवार, 26 नवंबर को सुबह 11 बजे भूमिपूजन होगा। मनोहर गौशाला परिवार की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में गौसेवा, जीवदया और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया जाएगा। मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन ने बताया कि कामधेनु धाम का निर्माण केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए गौसेवा, जीवदया और मानव कल्याण की विरासत स्थापित करने का प्रयास है। इसका उद्देश्य गौमाता की सेवा और संरक्षण की परंपरा को आगे बढ़ाना है। मनोहर गौशाला परिवार ने श्रद्धालुओं और गौसेवकों से भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। साथ ही गौमाता की सेवा और संरक्षण की परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का आह्वान किया है।

16वाँ वर्ष: 4 दिवसीय राष्ट्रीय एक्सपो 27 से 30 नवम्बर, साइंस कॉलेज ग्राउंड में

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की औद्योगिक राजधानी के रूप में जाना जाता है, देश के सबसे प्रतिष्ठित औद्योगिक आयोजनों में से एक 16वें राष्ट्रीय एक्सपो (स्टील एवं पावर) की मेजबानी के लिए तैयार है। यह भव्य 4 दिवसीय औद्योगिक प्रदर्शनी 27 से 30 नवम्बर 2026 तक साइंस कॉलेज ग्राउंड, रायपुर में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन उद्योग जगत को नई तकनीकों, ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एवं नवाचारों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

इंदौर इन्फोलाइन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित नेशनल एक्सपो, रायपुर स्टील, पावर, सीमेंट, माइनिंग, हेवी इंजीनियरिंग एवं संबद्ध उद्योगों के लिए भारत की प्रमुख औद्योगिक प्रदर्शनियों में से एक है। पिछले 15 आयोजनों में यह एक्सपो 4,000 से अधिक प्रदर्शकों तथा 90,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुकों को आकर्षित कर चुका है,



जिससे यह मध्य भारत का एक प्रभावशाली औद्योगिक आयोजन बन गया है। इस एक्सपो को उरला इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन, रायपुर का विशेष सहयोग प्राप्त है।

यह प्रदर्शनी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा अनुमोदित है तथा पीएमएस योजना के अंतर्गत भाग लेने वाले MSME उद्यमों को वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। यह पहल स्टार्टअप्स तथा सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को अपने उत्पादों एवं सेवाओं के प्रचार-प्रसार का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है।

प्रदर्शनी में 10,000 से अधिक औद्योगिक उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा, जो रायपुर एवं छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रदर्शन होगा। प्रदर्शित उत्पादों का कुल मूल्य 50 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है, जबकि आगामी एक वर्ष में 150 करोड़ रुपए से अधिक के व्यवसायिक अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।

इस आयोजन में 100 से अधिक प्रदर्शक रायपुर, भिलाई, बिलासपुर, दुर्ग, मुंबई, नागपुर, बेंगलुरु, चेन्नई, नई दिल्ली, कोलकाता एवं हैदराबाद सहित देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से भाग लेंगे। प्रदर्शनी के दौरान बी2बी (B2B) बिजनेस मीटिंग्स एवं वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से बड़े उद्योग, आपूर्तिकर्ता, निर्माता, डीलर, वितरक, स्टॉकिस्ट एवं सिस्टम इंटीग्रेटर्स एक-दूसरे से जुड़ सकेंगे।

संभवनाथ जिनालय के प्रथम ध्वजा उत्सव आयोजनों के बाद मुनिभगवंतों की हुई विदाई

- भारी मन और मंगलकामनाओं के साथ बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने मुनिभगवंतों को कराया विहार



रायपुर (विश्व परिवार)। एक ओर श्री संभवनाथ जिनालय के चल मंदिर की पहली ध्वजा फहराने का उत्साह था, तो दूसरी ओर मुनिश्री के विहार की घड़ी आते ही माहौल भावुक हो गया। सुबह से धार्मिक आयोजनों में जुटे श्रावक-श्राविकाओं की आंखें उस समय नम हो गईं, जब दोपहर 3 बजे मुनिश्री संवेगरत्नसागरजी म.सा. ने अगले विहार के लिए प्रस्थान किया। बड़ी संख्या में मौजूद समाजजनों ने भारी मन से मंगलकामनाओं के साथ उन्हें विदाई दी। मुनिश्री का विहार चौबे कॉलोनी के लिए हुआ। यहां से वे प्रतिदिन विहार करते हुए वारासिवनी, बालाघाट पहुंचेंगे। इससे पहले गुरुवार सुबह विवेकानंद नगर में भगवान संभवनाथ के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सफेद और केसरिया परिधानों में शामिल श्रावक-श्राविकाएं शैलेंद्र नगर और टैगोर नगर होते हुए श्री संभवनाथ जिनालय पहुंचे। यहां सत्तरभेदी पूजा के बाद विधि-विधान से चल मंदिर की पहली ध्वजा फहराई गई। श्री स्थानीय जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित समारोह में चतुर्विध संघ सहित बड़ी संख्या में समाजजनों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ रत्न प.पू. श्री जिनपीयूषसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न मुनिश्री संवेगरत्नसागरजी म.सा. आदि ठाणा-5 तथा प.पू. कैवल्यधाम तीर्थ प्रेरिका निपुणा श्रीजी म.सा. की विदुषी शिष्या प्रवचन प्रभाविका प.पू. मंजुला श्रीजी म.सा. आदि ठाणा की निश्रा रही।

राजकुमार कॉलेज की अंतर्दलीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 का भव्य समापन

- पुरान चंद्राकर ने हाई जंप में बनाया नया कॉलेज रिकॉर्ड; राजपूत दल बना ओवरऑल चैंपियन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजकुमार कॉलेज, रायपुर में आयोजित बालक एवं बालिका वर्ग की अंतर्दलीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026का समापन 26 नवंबर को उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ हुआ। 16 से 26 नवंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में जूनियर, इंटरमीडिएट एवं सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा, अनुशासन, दृढ़ संकल्प एवं खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का सबसे आकर्षक क्षण राणा दल केपुरान चंद्राकरका शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने हाई जंप में 1.55 मीटर की ऊंचाई पार कर 1.52 मीटर के



पुराने कॉलेज रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नया रिकॉर्ड स्थापित किया।सर्वश्रेष्ठ एथलीट हेतु प्रदत्त 'सारंगढ़ कप' पर राणा दल के पुरान चंद्राकर ने कब्जा किया।

अंतर्दलीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप मेंराजा नभ किशोर चन्द्र सिंह, हिंडोल द्वारा प्रदत्त 'हिंडोल एथलेटिक कप' पर राजपूत दल ने 366 अंकों के साथ कब्जा किया।विक्रम दल 340 अंकों के साथ दूसरे, राणा दल 299 अंकों के साथ तीसरे तथा आर्य दल 284 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहा।सक्ती के राजा बहादुर लीलाधर सिंह द्वारा प्रदत्त 'सक्ती फिज़िकल ट्रेनिंग कप'बिक्रम दल को प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों सेसम्मानित किया गया।जूनियर बालक वर्ग मेंजशराज सिंह मनचंदाको मोस्ट प्रॉमिसिंग प्लेयर तथाराजवीर कुशवाहाको बेस्ट एथलीट घोषित किया गया। इंटरमीडिएट बालक वर्ग मेंमोहम्मद अब्दुल्लाह, अनंत अग्रवाल एवं शाक्य शुक्लाको मोस्ट प्रॉमिसिंग प्लेयर चुना गया, जबकिराज सम्राटने बेस्ट एथलीट का खिताब प्राप्त किया।

जैन महासभा प्रतिनिधि मंडल ने किया पुरातत्व संग्रहालय का अवलोकन



रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व धरोहर सप्ताह के अंतर्गत श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा एवं निर्ग्रन्थ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी के एक प्रतिनिधिमंडल ने महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर की तीर्थंकर प्रतिमाओं का अवलोकन किया एवं छत्तीसगढ़ में जैन पुरातत्व की स्थिति रख रखाव एवं अनुसंधान पर व्यापक विचार विमर्श किया। प्रतिनिधि मंडल में श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश रारा संस्कृति विभाग (अभिलेखागार) के सेवानिवृत्त उपनिदेशक प्रताप पारख, भरत जैन, राजेंद्र उमाठे एवं अक्षय जैन की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सीआरपीएफमें हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस

जगदलपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 241वीं वाहिनी के मुख्यालय सेड़वा में 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन



किया गया तथा संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए उसके आदर्शों एवं मूल्यों का पालन करने की शपथ ली गई। इस अवसर पर सभी ने संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता के मूल सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

आयोजन के तहत भारतीय संविधान के महत्व, नागरिकों के मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही सभी को संविधान की गरिमा बनाए रखने, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करने तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी श्री संजय कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी श्री निरंजन कुमार निराला एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. निकिता आर. नायडू सहित वाहिनी के समस्त अधीनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

नशामुक्त धरसींवा का संकल्प और युवा शक्ति का सम्मान

- अवैध शराब बिक्री की शिकायत पर विधायक अनुज शर्मा का 'ऑन-द-स्पॉट एक्शन': जनचौपाल से सीधे कोचिये के घर बोला धावा

धरसींवा (विश्व परिवार)। विधानसभा क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी बनने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से विधायक अनुज शर्मा द्वारा निकाली जा रही 'सेवा संवाद यात्रा' का पाँचवाँ दिन ऐतिहासिक और बेहद उत्साहपूर्ण रहा। यात्रा के दौरान विधायक अनुज शर्मा को ग्रामीणों और नगरवासियों का भरपूर स्नेह व आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस क्रम में उन्होंने नगर पंचायत कुंवरगढ़ सहित ग्राम भेरवा, पंडरभट्ठा, भैंसमुड़ा, मुर्रा, देवरी और अकोली का सघन दौरा कर आम जनता से घर-घर भेंट की



और उनकी समस्याएं सुनीं।

शिकायत मिली और एक्शन शुरू

नगर पंचायत कुंवरगढ़ में आयोजित जनचौपाल के दौरान जब ग्रामीणों ने क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की शिकायत की, तो विधायक अनुज शर्मा ने त्वरित और कड़ा रुख अपनाया। वे जनचौपाल से उठकर स्वयं प्रशासनिक अमले और ग्रामीणों के साथ सीधे अवैध शराब बेचने वाले कोचिये के घर जा पहुँचे और मौके पर दबिश दी। विधायक के इस औचक और दबंग एक्शन से पूरे क्षेत्र के अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया। उन्होंने पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों को मौके पर ही सख्त चेतावनी देते हुए क्षेत्र को पूरी तरह नशामुक्त रखने के कड़े निर्देश दिए।

चौपाल में 'ऑन-द-स्पॉट' फैसला

ग्राम आगमन के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की पूरी टीम के साथ प्रत्येक ग्राम पंचायत का भ्रमण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं व उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। 'जनचौपाल' में उन्होंने ग्रामवासियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इसी कड़ी में ग्राम मुर्रा में ग्रामीणों द्वारा एनीकट से संबंधित समस्या रखे जाने पर विधायक ने तत्काल संबंधित अधिकारी से चर्चा कर मौके पर ही उसका समाधान कराया। मुर्रा आगमन पर साख सहकारी समिति के अध्यक्षों ने विधायक श्री शर्मा का आत्मीय स्वागत किया।

संविधान की शपथ के साथ 'डिजिटल उड़ान'

नगर पंचायत कुंवरगढ़ प्रवास के दौरान 'संविधान दिवस' के अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संविधान की रक्षा और राष्ट्र निर्माण की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूल के विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। बच्चों की बेहतर और आधुनिक शिक्षा हेतु उन्होंने कुंवरगढ़ आत्मानंद स्कूल में स्मार्ट क्लास व स्कूल के किचन में शेड निर्माण की महत्वपूर्ण घोषणा भी की।

यात्रा के दौरान समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए विधायक अनुज शर्मा ने युवाओं, श्रमिक बंधुओं, नारी शक्ति और महिला स्व-सहायता समूहों की बहनों के साथ विशेष बैठक कर उनके सशक्तिकरण का भरोसा दिलाया।

पंडरभट्ठा: ग्राम पंडरभट्ठा में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल होकर विधायक ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और विजेता टीम को ट्रैक सूट तथा 31,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

कुंवरगढ़ और भैंसमुड़ा: स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा देने वाले कर्मियों का मान बढ़ाते हुए विधायक ने कुंवरगढ़ में मितानिन दीदियों का सम्मान किया।

जिला कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान

- संगठन मजबूती और नगरीय निकाय चुनावों पर विस्तृत चर्चा



रायपुर (विश्व परिवार)। राजीव भवन, रायपुर में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल एवं हरनाम सिंह, AICC ऑब्जर्वर राजेश ठाकुर, तथा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू की उपस्थिति में जिला कांग्रेस अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई।

बैठक में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान, आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों एवं बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान की आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने और जमीनी स्तर तक ले जाने के लिए इसकी रूपरेखा तय किया गया। संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए आवश्यक संगठनात्मक योजना पर भी गहन मंथन किया गया। बूथ से लेकर जिला स्तर तक संगठनात्मक ढांचे को अधिक सशक्त और सक्रिय बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ के 17 नगरीय निकायों में आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई। नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों, समन्वय और चुनावी रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को गति देने तथा आगामी अभियानों और चुनावों के लिए ठोस दिशा-निर्देश तय किए गए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, शुक्रवार 27 नवंबर 2026

संक्षिप्त समाचार

बैलाडीला में खनन अपशिष्ट का ढेर धंसा, 10 किमी तक फैला मलबा; जंगल को नुकसान, लोहागांव-किरंदुल मार्ग बंद

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल स्थित बैलाडीला की लौह अयस्क खदान डिपॉजिट-14 में खनन अपशिष्ट का विशाल ढेर धंसने से इलाके में चिंता बढ़ गई है। लाखों टन लाल मिट्टी और पत्थरों का मलबा पहाड़ियों से नीचे खिसककर वन क्षेत्र में फैल गया है। इससे जंगल को नुकसान पहुंचने के साथ लोहागांव-किरंदुल मार्ग भी बाधित हो गया है। घटना को लेकर पर्यावरणीय नुकसान और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के मुताबिक, एनएमडीसी के डिपॉजिट-14 एमएल क्षेत्र में दशकों से जमा खनन अपशिष्ट और अवशेषों के ढेर में धंसाव हुआ है। पिछले कुछ दिनों से मिट्टी और पत्थरों के नीचे खिसकने का सिलसिला जारी है। मलबा कई किलोमीटर तक फैल गया है। आसपास के क्षेत्र में गहरी और चौड़ी दरारें भी देखी गई हैं, जिससे आगे और धंसाव की आशंका जताई जा रही है।

0 10 किलोमीटर के दायरे में फैला मलबा

मलबे के फैलाव से आसपास के घने वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। जिला पंचायत सदस्य सामारु कड़ती के अनुसार, खनन अपशिष्ट का मलबा करीब 10 किलोमीटर के दायरे में फैल चुका है। इससे बड़ी संख्या में पेड़-पौधों के प्रभावित होने का दावा किया जा रहा है। वहीं, लोहागांव, एंड्री और गमपुर के ग्रामीणों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता भी बंद हो गया है। लोहागांव को किरंदुल से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर मलबा जमा होने और क्षेत्र में लगातार हो रहे धंसाव के कारण प्रशासन ने आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है।

धान का दाम 3358 रुपये करो, किसानों का पूरा कर्ज माफ करो; गरियाबंद में किसान यूनियन का हुंकार

मोटरसाइकिल रैली निकाल कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा चार सूत्रीय मांग पत्र; 65,100 रुपये प्रति एकड़ मुआवजे की उठाई मांग



गरियाबंद (विश्व परिवार)। किसानों की समस्याओं और सरकार के सामने लंबित मांगों को लेकर गरियाबंद में किसानों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। धान का उचित दाम, संपूर्ण कर्जमाफी और फसल नुकसान का मुआवजा सहित चार प्रमुख मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने मोर्चा खोल दिया। कृषि उपज मंडी राजिम से मोटरसाइकिल रैली निकालते हुए किसान जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्ट्रेट में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की।

प्रदेश अध्यक्ष तेजराम विद्रोही, जिलाध्यक्ष मदनलाल साहू, उपाध्यक्ष भारती साहू, उत्तम कुमार, रेखराम साहू, योगेंद्र कुमार और ललित कुमार के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। यूनियन ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक आपदाओं, फसल नुकसान और आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसानों को राहत देने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे।

3358 रुपये प्रति क्विंटल हो धान का समर्थन मूल्य- किसान यूनियन की पहली मांग धान का समर्थन मूल्य 3358 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की है। संगठन का कहना है कि वर्ष 2023-24 से 2026-27 के बीच केंद्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य में 258 रुपये की वृद्धि हुई है, जबकि राज्य सरकार चुनावी वायदे के अनुरूप 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान कर रही है। यूनियन ने इस वर्ष किसानों को 3358 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का भुगतान करने की मांग की है।

कर्जमाफी के साथ 65,100 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा- दूसरी मांग किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी और फसल नुकसान की भरपाई को लेकर है। यूनियन ने आरोप लगाया कि इस वर्ष अर्नब, मुरासू और अकवान चक्रवाती तूफानों तथा अतिवृष्टि के कारण धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। इससे किसान आर्थिक संकट में घिर गए हैं। संगठन ने प्रभावित किसानों का पूरा कर्ज माफ करने और आगामी खेती तथा जीवनयापन के लिए 65,100 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की है।

फसल बीमा कंपनियों पर कार्रवाई, पूरे रकबे की मिले क्षतिपूर्ति- तीसरी मांग फसल बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली को लेकर है। यूनियन का आरोप है कि निजी बीमा कंपनियों ने किसानों को समुचित जानकारी दिए बिना उनके बैंक ऋण खातों से बीमा प्रीमियम काटा। इसके बावजूद पूरे कृषि रकबे का बीमा नहीं किया गया और केवल कुछ हिस्से को ही बीमा के दायरे में रखा गया। संगठन ने प्रभावित किसानों को पूरे रकबे की क्षतिपूर्ति देने अथवा काटी गई बीमा प्रीमियम राशि वापस करने के साथ संबंधित कंपनियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

रागी उत्पादकों का 40 प्रतिशत बकाया भुगतान तत्काल जारी हो- चौथी मांग रागी उत्पादक किसानों के लंबित भुगतान से जुड़ी है। यूनियन के अनुसार रबी वर्ष 2025-26 में मिलेट मिशन योजना के तहत किसानों ने रागी की खेती की थी। ग्रेडिंग के बाद मिलने वाली 40 प्रतिशत भुगतान राशि अब तक किसानों को नहीं मिली है। संगठन ने शासन से बकाया राशि का तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है।

किसानों ने कहा- मांगों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं- ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। इनमें मनोज कुमार, गिरधारी साहू, जुगल राम, शंकर लाल, पृथ्वी कुमार, देवशरण साहू, योगेंद्र साहू, गेंदलाल, अजीत, मोतीलाल साहू, गुलाब, उत्तम कुमार, भागीरथी हिरवानी, शत्रुहन साहू, द्वारिका साहू, जुगराम साहू, सोहन लाल, हरख राम, मनमोहन, मानसिंह साहू और सोमप्रकाश सहित अन्य किसान शामिल थे।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष मदनलाल साहू ने कहा कि किसान प्राकृतिक आपदा और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में उनकी समस्याओं का समाधान करना और लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेना जरूरी है। उन्होंने सरकार से किसानों को राहत देने के लिए चारों मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द कार्रवाई करने की मांग की।

भाजपा ने मनाया संविधान गौरव दिवस, डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को किया नमन

संविधान के मूल्यों, लोकतंत्र और सामाजिक समरसता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई



गरियाबंद। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों, आदर्शों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं सामाजिक समरसता के मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष, शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए किए गए प्रयासों को याद किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है, जो प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय सुनिश्चित करता है। संविधान दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि संविधान में निहित आदर्शों को अपने जीवन और व्यवहार में अपनाने का अवसर है। डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज को समानता, शिक्षा, एकता और सामाजिक न्याय की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

वक्ताओं ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया था। इस ऐतिहासिक दिन की स्मृति को चिरस्थायी बनाने और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 26 नवंबर को प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की गई। संसद भवन में विशेष आयोजन, देशभर में संविधान की प्रस्तावना का वाचन तथा बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की पहल से संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को नई दिशा मिली है। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि डॉ. अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक समानता, शिक्षा, न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि शिक्षा, संगठन और संघर्ष के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को उसके कर्तव्यों और दायित्वों का भी बोध कराता है। इस अवसर पर संविधान की गरिमा बनाए रखने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने, लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभारी मुकेश अहलावत के नेतृत्व में आप का 'संगठनात्मक संवाद' संपन्न; बस्तर के चर्चित पत्रकार दिलीप गुहा ने थामा पार्टी का दामन



जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्त्ता संवाद स्थानीय सिरहासार भवन में सपन्न हुआ।आम आदमी पार्टी (आप) के संगठन विस्तार और जमीनी स्तर पर पार्टी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित 'संगठनात्मक कार्यकर्त्ता संवाद' कार्यक्रम छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए संगठन निर्माण की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला और कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण मंत्र दिए:

बूथ स्तर पर सशक्तिकरण: उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत उसका बूथ स्तर का कार्यकर्ता होता है। आगामी समय में जगदलपुर विधानसभा के हर ग्राम पंचायत और वार्ड तक 'बूथ कमेटियों' का गठन कर संगठन को अभेद्य बनाया जाएगा। कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे केवल बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि बस्तर के आदिवासी समाज, किसानों और युवाओं की बुनियादी समस्याओं—जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और स्थानीय रोजगार—को लेकर सड़क से सदन तक मुखर आवाज बनें।पारदर्शी राजनीति और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के आम आदमी पार्टी के मॉडल को बस्तर के घर-घर तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान बस्तर संभाग के चर्चित एवं निर्भीक पत्रकार दिलीप गुहा ने आम आदमी पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और जनहितैषी विचारधारा से प्रभावित होकर औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत एवं संगठन विस्तारक उज्जल दीवान, वरिष्ठ नेत्री तरुणा साबे बेदरकर ने पार्टी की टोपी और गमछा पहनाकर उनका स्वागत किया।

पत्रकारिता के माध्यम से लंबे समय तक बस्तर की जनसमस्याओं को उठाने वाले दिलीप गुहा ने सदस्यता ग्रहण करने के उपरांत कहा कि वे अब आम आदमी पार्टी के मंच से सीधे व्यवस्था परिवर्तन और जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे।

विधानसभा स्तरीय कार्यकर्त्ता संवाद में सह प्रभारी सौरभ झा, संगठन विस्तारक उज्वल दीवान, लोकसभा प्रभारी समीर खान, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता तरुणा साबे बेदरकर, लोकसभा अध्यक्ष नरेंद्र नाग, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी, नवनीत सराठे, हरीश नाग, विपिन तिवारी समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अतरमरा पंचायत में 15वें वित्त की राशि पर बड़ा बवाल! 62 पन्नों के सबूत के बाद जांच अधिकारी बदलने की मांग

पूर्व में पंचायत का ऑडिट कर चुके जिला अंकेक्षक को ही सौंपी गई जांच की जिम्मेदारी, निष्पक्षता पर शिकायतकर्ता ने उठाए सवाल; कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ की जवाबदेही तय करने की भी मांग

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत अतरमरा में 15वें वित्त आयोग की राशि के कथित दुरुपयोग का मामला अब गरमाने लगा है। चार साल के वित्तीय लेन-देन, संदिग्ध बिल-वाउचर और भुगतान अभिलेखों को लेकर शुरू हुई जांच के बीच अब जांच अधिकारी की नियुक्ति ही सवालों के घेरे में आ गई है। शिकायतकर्ता ने 62 पृष्ठों के दस्तावेज और विस्तृत लिखित बयान सौंपने के बाद जांच अधिकारी बदलने की मांग उठाकर पूरे मामले में नया मोड़ ला दिया है।

विकासखंड छुरा की ग्राम पंचायत अतरमरा में वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2023-24 के दौरान 15वें वित्त आयोग से प्राप्त राशि के व्यय में कथित वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW/ACB) तक पहुंची थी। एजेंसी के निर्देश पर जांच प्रक्रिया शुरू होने के बाद शिकायतकर्ता खिलेश्वर गोस्वामी ने जांच की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं।

.शिकायतकर्ता खिलेश्वर गोस्वामी का आरोप है कि जांच के लिए नियुक्त जिला अंकेक्षक कुमार सिंह नागेश पूर्व में इसी ग्राम पंचायत अतरमरा का अंकेक्षण कर चुके हैं। ऐसे में उसी पंचायत के पुराने ऑडिट से जुड़े अधिकारी को दोबारा जांच की जिम्मेदारी सौंपे जाने से निष्पक्षता और हितों के टकराव को लेकर संदेह पैदा हो रहा है।

इसी आधार पर शिकायतकर्ता ने EOW/ACB के महानिदेशक को पत्र लिखकर संबंधित जिला अंकेक्षक को जांच से पृथक करने तथा किसी अन्य जिले के स्वतंत्र एवं वरिष्ठ अधिकारी से जांच कराने की मांग की है।

मामले में 23 नवंबर 2026 को गठित जांच दल के समक्ष शिकायतकर्ता ने कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित 62 पृष्ठों के दस्तावेज और तीन पृष्ठों का विस्तृत लिखित बयान सौंपा है। इनमें संदिग्ध बिल-वाउचर, भुगतान संबंधी अभिलेख और वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेज शामिल बताए गए हैं।

शिकायतकर्ता की मांग है कि सौंपे गए सभी दस्तावेजों को जांच का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। जांच केवल कागजी

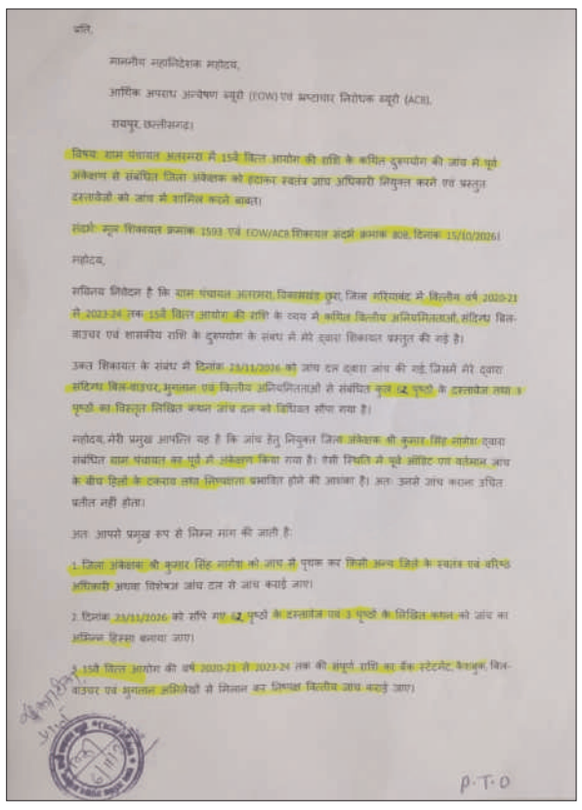

खानापूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि बैंक स्टेटमेंट, कैशबुक, मूल बिल-वाउचर और भुगतान अभिलेखों का आपस में मिलान कर वास्तविक वित्तीय स्थिति स्पष्ट की जाए।

इस पूरे प्रकरण में जिला कलेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत गरियाबंद की प्रशासनिक जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि पंचायत के शासकीय धन के व्यय, वित्तीय अभिलेखों की निगरानी और पूर्व ऑडिट में सामने आई आपत्तियों पर क्या कार्रवाई हुई, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

यदि पूर्व अंकेक्षण के दौरान किसी प्रकार की वित्तीय आपत्ति या अनियमितता सामने आई थी, तो उस पर समय रहते क्या कदम उठाए गए? संबंधित अधिकारियों ने अभिलेखों और भुगतानों की निगरानी किस स्तर पर की? इन सभी बिंदुओं की जांच कर जवाबदेही तय करने की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता ने वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक 15वें वित्त आयोग से प्राप्त संपूर्ण राशि का स्वतंत्र वित्तीय परीक्षण कराने की मांग की है। इसके तहत बैंक स्टेटमेंट, कैशबुक, मूल बिल-वाउचर और भुगतान अभिलेखों का मिलान किया जाना चाहिए।

साथ ही जांच पूरी होने तक पंचायत के सभी मूल वित्तीय अभिलेख सुरक्षित रखने और किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ रोकने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि जांच में वित्तीय अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं, तो संबंधित सरपंच, सचिव और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध FIR दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाए।

इस मामले में जिला पंचायत गरियाबंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जिला अंकेक्षक कुमार सिंह नागेश के संबंध में शिकायत किए जाने की जानकारी फ्लिहाल उनके संज्ञान में नहीं है। यदि इस प्रकार का कोई विषय जानकारी में आता है, तो निष्पक्ष जांच के लिए इस पर विचार किया जाएगा।

ग्राम पंचायत अतरमरा का यह मामला अब केवल 15वें वित्त की राशि के खर्च तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि जांच की प्रक्रिया, पुराने ऑडिट की भूमिका और प्रशासनिक जवाबदेही भी चर्चा के केंद्र में है। शिकायतकर्ता का कहना है कि मामला किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत के विकास के लिए आवंटित सार्वजनिक धन की पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026

छत्तीसगढ़ जल्द ही मखाना उत्पादक राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाएगा: डॉ. चंदेल

■ दो दिवसीय राष्ट्रीय मखाना कार्यशाला की हुई शुरुआत



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में मखाना उत्पादन एवं प्रसंस्करण की संभावनाओं पर विचार मंथन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय मखाना बोर्ड तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त तत्वावधान में आज कृषि महाविद्यालय, रायपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय मखाना कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। स्वामी विवेकानन्द सभागार में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर ने की और विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्रवंशी तथा जिला पंचायत धमतरी के अध्यक्ष श्री अरूण सार्वा उपस्थित थे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने इस अवसर पर कहा कि अपने अनोखे पौष्टिक गुणों की वजह से आज मखाना दुनिया भर में सुपर फूड के नाम से विख्यात हो रहा है और सेहत से भरपूर होने के कारण काफी लोकप्रिय भी हो चुका है। डॉ. चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को मखाने की खेती हेतु प्रशिक्षण और प्रोत्साहन प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मखाना बोर्ड में शामिल होने के बाद से छत्तीसगढ़ में भी मखाना की खेती में तेजी से विस्तार हुआ है और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ एक मखाना राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाएगा। श्री चंद्रहास चंद्राकर एवं श्री सुरेश चंद्रवंशी ने किसानों से मखाना की खेती को अपनाने का आव्हान किया।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के लगभग 250-300 किसान एवं महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्यों सहित मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और उड़ीसा के किसान, कृषि, उद्यानिकी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर मखाना के विभिन्न उत्पादों एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी पर आयोजित एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में मखाना के बीजों की पॉपिंग कर मखाना पॉप्स बनाने की विधि का जीवंत प्रदर्शन किसानों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। प्रदर्शनी में किसानों को मखाने की खेती के संबंध में तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

कार्यशाला में मखाना की उन्नत खेती, प्रसंस्करण, मशीनीकरण, मूल्य संवर्धन, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा विपणन से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। विख्यात मखाना वैज्ञानिक डॉ विद्यानाथ झा सेवानिवृत्त प्राध्यापक, दरभंगा बिहार ने मखाना फसल के बारे में परिचय देते हुए किसानों को इसके इतिहास एवं सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि प्रोटीन, कार्बोहाइडेऊट, अमिनों एसिड्स, बिटामिन्स, मिनरल्स तथा एंटी आक्सीडेट्स से भरपूर होने तथा लगभग नगण्य वसा होने के वजह से मखाना सुपर फूड कहलाता है। राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र दरभंगा के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मखाने की खेती के बारे जानकारी प्रदान की। राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान के वैज्ञानिक डॉ. राहुल कुमार राउत ने मखाना प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के संबंध में जानकारी दी। डॉ. अनिल कुमार प्रमुख अन्वेषक मखाना अनुसंधान परियोजना ने मखाना की खेती से उद्यमिता विकास विषय पर सारगर्भित जानकारी दी।

खाली प्लाट में गोबर डालकर प्रदूषण फैलाने वाले डेयरी संचालक पर जुर्माना



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 अंतर्गत नेताजी कन्हैयालाल बाजारी वार्ड क्रमांक 15 अंतर्गत गुढ़ियारी क्षेत्र में खाली प्लाट में गन्दगी और गोबर डालकर प्रदूषण फैलाने की सीएम हेल्पलाइन से नगर निगम जोन 1 स्वास्थ्य विभाग में प्राप्त जनशिकायत पूरी तरह से सही मिलने पर नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार तिवारी डेयरी के सम्बंधित संचालक पर रायपुर नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गनिर्देशन में तत्काल 10 हजार रूपये का ई जुर्माना नगर निगम जोन 1 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन द्वारा सम्बंधित स्थल पर सम्बंधित डेयरी संचालक को भविष्य के लिए नियमानुसार कड़ी चेतावनी देते हुए किया गया . सम्बंधित तिवारी डेयरी के संचालक को तत्काल खाली प्लाट की सफाई करवाकर वहाँ आगे साफ - सफाई बनाये रखने निर्देशित किया गया है , अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गयी. खाली प्लाट में गन्दगी और प्रदूषण फैलाने से सम्बंधित जनशिकायत सी एम हेल्पलाइन में की गयी थी, जनशिकायत मिलते ही इसे तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने वस्तुस्थिति की जानकारी लेकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश जोन 1 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर को दिए. आयुक्त के निर्देश पर जोन 1 स्वास्थ्य विभाग की टीम सहित जोन 1 जोन कमिश्नर ने वस्तुस्थिति की जानकारी लेने सम्बंधित खाली प्लाट क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान तिवारी डेयरी संचालक द्वारा अपने खाली प्लाट में डेयरी की गोबर और गन्दगी फैलाकर प्रदूषण फैलाने की सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त जनशिकायत सही मिली, इस पर तत्काल सम्बंधित तिवारी डेयरी के संचालक पर 10 हजार रूपये का ई जुर्माना उन्हें भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए किया गया और प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान कियां गया।

धान खरीदी करने सरकार गंभीर नहीं: कांग्रेस



रायपुर (विश्व परिवार)। सरकार पर धान खरीदी व्यवस्था को जानबूझकर विफल करने और किसानों का पूरा धान न खरीदने षडयंत्र रचने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि वर्तमान खरीफ विपणन सत्र में प्रदेश भर के किसान रकबा कटौती, तकनीकी खामियों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से जूझ रहे हैं। किसानों की समस्याओं को संकलित करने और उन्हें त्वरित सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस द्वारा प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है तथा हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। एक तरफ यह सरकार दावा कर रही है कि जिन किसानों का पहले से पंजीयन है उनको एग्री स्टैक पोर्टल पर फिर से पंजीयन की आवश्यकता नहीं है, दूसरी तरफ उन्हीं में से हजारों किसानों का रकबा इस साल पोर्टल में शून्य दिखाया जा रहा है। जब उसी खसरे में दर्ज रकबा के अनुपात में पिछले साल धान बेचा गया है तो फिर इस बार रकबा शून्य या कम कैसे हुआ? सरकार जवाब दे और दोषियों पर कठोर कार्रवाई करे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रशासन द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना या भौतिक सत्यापन के किसानों के धान के रकबे में भारी कटौती की जा रही है, और कई मामलों में रकबा शून्य कर दिया गया है। त्रुटिपूर्ण गिरदावली के माध्यम से धान की वास्तविक फसल को अन्य फसल के रूप में दर्ज कर दिया गया है और फर्जी अनावरी रिपोर्ट तैयार कर किसानों को 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने से वंचित किया जा रहा है। यह सरकार किसानों के हक का पूरा धान समर्थन मूल्य पर खरीदना नहीं चाहती।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पीवी ऐप और एग्री स्टैक पोर्टल में आ रही लगातार तकनीकी दिक्कतों के कारण किसानों का पंजीयन और सत्यापन कार्य बाधित हो रहा है, जिससे किसान सोसायटियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। 40 दिन तक पटवारी हड़ताल पर थे, इसी दौरान 20 दिन पहले ही पंजीयन बंद हो चुका है, नामांतरण, फौत, बंटवारा और राजस्व के हजारों मामले लंबित हैं, ऐसे में जिन किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया है उनको अवसर मिलना चाहिए। प्रदेश के अधिकांश उपार्जन केंद्रों में ऑनलाइन और ऑफ्लाइन टोकन कटने में भारी परेशानी आ रही है। ऑनलाइन टोकन तो शुरू होते ही एक ही दिन में खत्म हो गया, 15 जनवरी तक किसी के लिए ऑनलाइन टोकन उपलब्ध नहीं है, इसके अतिरिक्त, संग्रहण केंद्रों पर तौलाई में देरी और बारदाने बोरों की कमी ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सरकार के अव्यावहारिक निर्णयों के चलते धान का उठाव न होने से सोसायटियों को भारी नुकसान का अंदेशा है जिसको लेकर समिति प्रबंधकों ने विरोध जताया है। नए नियमों के अनुसार यदि 15 जनवरी को धान खरीदी की अंतिम तिथि तक मिलरों द्वारा धान का उठाव, परिवहन प्रारंभ नहीं किया गया, तो सहकारी सोसायटियों को सूखत और रखरखाव के अभाव में भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उपार्जन केंद्रों में भंडारण क्षमता अत्यंत सीमित है, ऐसे में यदि समय पर उठाव नहीं हुआ, तो केंद्रों पर जाम की स्थिति बनेगी और स्वत: ही धान खरीदी की गति व मात्रा में कमी आ जाएगी। ये सभी परिस्थितियां इस ओर इशारा करती हैं कि वर्तमान सरकार किसानों की पूरी उपज खरीदने की मंशा नहीं रखती है और विभिन्न तकनीकी व प्रशासनिक अड़चनें पैदा कर खरीदी के लक्ष्य को कम करना चाहती है।

अतिक्रमण हटाने निगम की कार्यवाही

■ हाट बाजार में महिला सामुदायिक शौचालय के पास से 6 ठेला खोमचा हटाये



राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम सीमांतर्गत अवैध निर्माण एवं शासकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण पर प्रभावी रूप से रोकथाम करने के लिये निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम द्वारा गठित अतिक्रमण दस्ता शहर में निरीक्षण कर और शिकायत के आधार पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कर रही है। आज हाट बाजार में महिला सामुदायिक शौचालय के पास से 6 ठेला खोमचा हटाने की कार्यवाही की गई।

रोड एवं चैक चैराहो में अतिक्रमण कर ठेला खोमचा रखने या मटेरियल व मलमा रखने की जानकारी होने पर नगर निगम की गठित दल अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कर रही है। वही उनके द्वारा निरीक्षण के दौरान अतिक्रमित पाये जाने पर भी कार्यवाही की जा रही है। आज आयुक्त के निर्देश पर हाट बाजार में महिला सामुदायिक शौचालय के पास ठेला खोमचा रखकर व्यवसाय किया जा रहा था। जिसे हटाने संबंधितो को समझाईस दी गयी थी, समझाईस उपरांत भी नही हटाने पर महिलाओ को शौचालय आने जाने में हो रही असुविधा को देखते हुए आज शौचालय के पास के 6 ठेला खोमचा हटाने की कार्यवाही की गयी।

आयुक्त श्री मरकाम ने अतिक्रमण दस्ता से कहा कि हाट बाजार या उसके आस पास अतिक्रमण करने या अवैध रूप से रखे ठेला, खोमचा सुगम आवागमन की दृष्टिकोण से हटाया जाए। साथ ही शहर में जहाँ जहाँ पर अतिक्रमण की शिकायत या अतिक्रमण पाये जाने पर उसे तत्काल हटाया जाये और संबंधित के विरूद्ध निगम प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाये। उन्होंने व्यवसायियो से भी कहा है कि वे अपने दुकान के अंदर ही समान रखे, दुकान के बाहर समान रखने पर यातायात बाधित होती है, इसी प्रकार नाली के उपर ठेला खोमचा रखने से साफ सफाई बांधित होने के साथ साथ गंदगी फैलती है। उन्होंने कहा कि सडक या सार्वजनिक स्थल में निर्माण समाग्री न रखे, अन्यथा अर्थदण्ड के साथ साथ जप्ती की कार्यवाही की जावेगी।

भाजपा प्रवक्ता नलिनीश ठोकने को भारत सरकार ने NSIL में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया

■ भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग के सभी पदाधिकारियों ने उन्हें दी बधाई।



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने को भारत सरकार द्वारा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) में स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। ह्स्ड्रुरु भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की वाणिज्यिक शाखा है। भारत सरकार ने भाजपा प्रवक्ता श्री ठोकने की शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुए यह नियुक्ति की है। श्री ठोकने ने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग A.M.A.E.S.I. से किया है। इस संस्था के संरक्षक वर्तमान प्रधानमंत्री होते हैं। इसके प्रथम संरक्षक पंडित जवाहरलाल नेहरू रहे तथा वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी इसके संरक्षक हैं।

यह स्पेस सेक्टर में भारत सरकार की अब तक की पहली राजनीतिक नियुक्ति है, जो छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। श्री ठोकने वर्ष 2003 से भाजपा मीडिया विभाग में सदस्य के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश मीडिया विभाग में प्रभारी के दायित्व का निर्वहन किया है और वर्तमान में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता के रूप में दायित्व निभा रहे हैं। श्री ठोकने ने रायपुर उत्तर विधानसभा चुनाव में संयोजक के रूप में तथा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में तुलजापुर विधानसभा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पार्टी ने उनकी सेवा, अनुभव एवं योग्यता के आधार पर हुई इस नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने की नियुक्ति पर भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं प्रवक्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

भाजपा द्वारा संविधान गौरव दिवस मनाया जाना राजनैतिक पांखड: बैज

रायपुर। भाजपा द्वारा 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस मनाया जाना राजनैतिक पाखंड है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा का डीएनए संविधान विरोधी है। लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा ने तय कर लिया था कि यदि 400 से अधिक सीटें आ जाएगी तो संविधान बदल देंगे। देश की जनता ने भाजपा को 240 में समेट दिया तो उनकी मंशा पूरी नहीं हुई, संविधान बदलने के भाजपाई मंशा के कारण देश भर में भाजपा के खिलाफ माहौल बना तो भाजपा मजबूरी में संविधान की पैरोकार बनने का ढोंग करती है। कांग्रेस ने गांधी जी के नेतृत्व में देश को आजादी दिलाई, लोकतंत्र की बुनियाद नेहरू जी ने रखा, बी.आर. अंबेडकर के प्रयासों से हमें दुनिया का बेहतरीन, लिखित संविधान मिला लेकिन भाजपा की बदनीयती संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है।

बस्तर में संविधान दिवस समारोह सफलतापूर्वक संपन्न

■ कार्यालयों में उद्देशिका का किया गया वाचन



जगदलपुर (विश्व परिवार)। संविधान दिवस समारोह-2026 के अवसर पर बस्तर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों और जागरूकता गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। बस्तर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल के मार्गदर्शन में शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले भर में संविधान दिवस से जुड़ी गतिविधियां संचालित की गईं।

निर्धारित कार्यक्रम के तहत 26 नवंबर को प्रात: 11 बजे जिला, विकासखंड, तहसील एवं ग्राम स्तर पर शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थाओं, नगरीय निकायों तथा अन्य सार्वजनिक संस्थानों व संगठनों में भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। विभिन्न कार्यालयों और संस्थानों में हुए उद्देशिका वाचन में नागरिकों, विद्यार्थियों और युवाओं ने सहभागिता कर संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक भावना और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित विभिन्न गतिविधियों में युवाओं और विद्यार्थियों को जोड़ा गया।

लोहारा कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस



■ संविधान का शपथ दिलाया गया

सहसपुर लोहारा (विश्व परिवार)। शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा में 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर विविध जागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के महत्व, उसके मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. श्रीमती के. एस. परिहार ने अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को संविधान दिवस के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से संविधान में निहित आदर्शों एवं मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संविधान के निर्माण, उसकी विशेषताओं, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी को संविधान का शपथ दिलाया गया।विद्यार्थियों में संवैधानिक जागरूकता, लोकतांत्रिक भावना एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण गौरव जायसवाल, अंजू महोबिया डॉ ज्योति चंद्रवंशी, रूपेश वर्मा दीपक पटेल, डॉ खिलेश्वरी चंद्रवंशी, आभा जोशी ,आशीष वर्मा, काजल साहू, लक्ष्मीकांत वर्मा ,गिरधारी वर्मा हेमंत चंद्रवंशी तुषार ठाकुर अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 70 नियो



रायपुर। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में दुनिया की प्रमुख कंपनी तथा भारत के प्रमुख9 एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज मोटोरोला एज 70 नियो के लॉन्च की घोषणा की। एआई-पावर्ड फोटोग्राफी, आरामदायक क्राड-कर्व्ड डिजाइन, इमर्सिव डिस्प्ले, दमदार परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी के साथ इस स्मार्टफोन को हर बारीकी कैद करने के लिए बनाया गया है। एआई-पावर्ड 50MP सोनी लिटियाइ 710 कैमरा, 17.22cm (6.8) एक्सट्रीम एमोलेड सुपर एचडी (1.5K) डिस्प्ले, स्नैपड्रैगन0 7s जेन 3 चिपसेट और 7000mAh की बड़ी बैटरी के साथ मोटोरोला एज 70 नियो अलग पहचान वाले डिजाइन, काम की तकनीक और रोजमर्रा की मजबूती का बेहतरीन संगम पेश करता है। मोटोरोला एज 70 नियो अपने 50MP सोनी लिटिया 710 मुख्य कैमरे के साथ एआई-पावर्ड फेटोग्राफी को सबसे आगे रखता है। असली जैसे रंग और बनावट के लिए एआई-ट्यून्ड यह कैमरा ऑटोमैटिक मोशन डिटेक्शन और तेज शटर रिस्पॉन्स का इस्तेमाल करता है।

प्रोस्टेट कैंसर: वह बीमारी जिसके बारे में पूछने में पुरुष बहुत देर कर देते हैं

■ डॉ. कोशलेश तिवारी, कंसल्टेंट, यूरोलॉजी, एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल, रायपुर।



रायपुर (विश्व परिवार)। कई पुरुष सालों तक डॉक्टर के पास जाने से बचते रहते हैं। लेकिन प्रोस्टेट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में यह झिझक और डर नुकसान पहुँचा सकता है। दुनिया भर में पुरुषों में होने वाले सबसे आम कैंसरों में यह एक है, और भारत में भी यही स्थिति है। बहुत से पुरुषों में इसका पता तब चलता है जब बीमारी इतनी बढ़ चुकी होती है कि पूरी तरह ठीक करना मुश्किल हो जाता है।

प्रोस्टेट क्या है?

प्रोस्टेट अखरोट के आकार की एक छोटी ग्रंथि है। यह मूत्राशय के ठीक नीचे होती है और पुरुषों की मूत्रनली को चारों ओर से घेरे रहती है। प्रोस्टेट एक तरल पदार्थ बनाती है, जो वीर्य का हिस्सा होता है। उम्र बढ़ने के साथ प्रोस्टेट का आकार स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। इसीलिए प्रोस्टेट की ज़्यादातर बीमारियाँ 50 साल से ऊपर के पुरुषों में होती हैं।

पुरुष इंतज़ार क्यों करते हैं?

प्रोस्टेट कैंसर में अक्सर शुरू में कोई साफ़ लक्षण नहीं दिखते, इसलिए पुरुषों को डॉक्टर के पास जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती। कई पुरुष प्रजनन अंगों से जुड़ी समस्या के बारे में डॉक्टर से बात करने में शर्म महसूस करते हैं, क्योंकि उन्हें यह बहुत निजी विषय लगता है। पेशाब की दिक्कतों को वे बढ़ती उम्र का सामान्य हिस्सा मान लेते हैं। कुछ पुरुषों को डर रहता है कि इलाज से उनकी मर्दानगी और यौन क्षमता पर असर पड़ेगा, इसलिए वे इलाज कराने से कतराते हैं।

दूसरी बीमारियों की तरह प्रोस्टेट कैंसर के भी कुछ लक्षण होते हैं। इन्हें समय रहते पहचानना ज़रूरी है, ताकि सही जाँच और इलाज जल्दी शुरू हो सके।

प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण

- पेशाब बार-बार आना, खासकर रात में
- पेशाब की धार कमज़ोर होना, पेशाब करने में कठिनाई या दर्द होना
- ऐसा लगना कि मूत्राशय पूरी तरह खाली नहीं हुआ
- पेशाब या वीर्य में खून आना

पीठ के निचले हिस्से, कूल्हों या पेल्विस में दर्द या बेचैनी (यह अक्सर संकेत होता है कि कैंसर शरीर में फैल चुका है)

ये लक्षण प्रोस्टेट के सामान्य बढ़ने की बीमारी, यानी बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया (BPH) में भी होते हैं। कैंसर और दूसरी बीमारियों में फ़र्क़ करने के लिए प्रोस्टेट की जाँच करवाना ज़रूरी है।

प्रोस्टेट कैंसर की जाँच कैसे होती है?

जाँच की शुरुआत आमतौर पर PSA ब्लड टेस्ट और शारीरिक जाँच से होती है। कुछ मामलों में MRI या बायोप्सी की ज़रूरत भी पड़ सकती है। PSA की रिपोर्ट को खुद पढ़कर नतीजा नहीं निकालना चाहिए। PSA ज़्यादा आने का मतलब हमेशा कैंसर नहीं होता। प्रोस्टेट में संक्रमण या BPH होने पर भी यह बढ़ सकता है।

50 साल की उम्र के बाद प्रोस्टेट कैंसर का खतरा काफ़ी बढ़ जाता है। जिन पुरुषों के परिवार में किसी को यह बीमारी रही हो, उनमें खतरा और ज़्यादा होता है। ऐसे पुरुषों को जाँच के हिस्से के रूप में जेनेटिक टेस्ट के बारे में भी सोचना चाहिए।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026

घर के अंदर खड़ी एंबुलेंस में आधी रात लगी आग, वाहन जलकर खाक

पाटन। ग्राम तरीघाट में घर के अंदर खड़ी शिव कृपा एंबुलेंस सर्विस की एंबुलेंस में देर रात आग लग गई। भीषण आग की चपेट में आने से एंबुलेंस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। वाहन में रखी मेडिकल किट सहित अन्य जरूरी सामान भी नष्ट हो गया। घटना के बाद गांव में हडक़ंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, शिव कृपा एंबुलेंस सर्विस की गाड़ी ग्राम तरीघाट में एक घर के अंदर खड़ी थी। बीती रात करीब 12 बजे के बाद अचानक एंबुलेंस में आग लग गई। आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने वाहन में आग लगाई है। आग की जानकारी मिलते ही तत्काल आपातकालीन सेवा 112 और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा

■ वैज्ञानिक अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचारों का लाभ शासन के विभिन्न विभागों और आमजन तक पहुंचाने पर जोर



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महानदी भवन अटल नगर नवा रायपुर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर के कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ ही आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग जनकल्याण और राज्य के विकास में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में प्रस्तावित साइंस सिटी की स्थापना के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित साइंस सिटी में 7-डी थिएटर, टाइम मशीन सिम्युलेटर, प्लेनेटेरियम, स्पेस एंड एस्ट्रोनॉमी गैलेरी, ऑन एयर विज्ञान पार्क, द ग्रीन गार्डियन, स्पेस ओडिसी, साइंस ऑन स्फीयर, डिजिटल पैनोरमा, प्लेनेटोरियम, ऑडिटोरियम, रिन्यूएबल एनर्जी पार्क विकसित किए जाएंगे। इससे बच्चों, युवाओं एवं आम नागरिकों को विज्ञान के जटिल सिद्धांतों और आधुनिक तकनीकों को सरल, रोचक एवं अनुभवात्मक तरीके से समझने का अवसर मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्री श्री विजय शर्मा ने विज्ञान के नवाचारों और विभाग के नवाचारी कार्यों का लाभ राज्य के लोगों तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में प्रस्तावित साइंस सिटी से प्रदेश के विज्ञान में अभिरुचि लेने वाले लोगों को लाभ होगा और यह राज्य में पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।

विश्वविद्यालयों से जोड़ी जाएं सिकॉस्ट की प्रयोगशालाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सिकॉस्ट) में स्थापित विभिन्न केन्द्रीय प्रयोगशालाओं को प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से जोड़कर विद्यार्थियों को इनका लाभ दिलाने के निर्देश दिए। जिससे प्रदेश के युवा वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। उन्होंने समर साइंस कैम्प के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की भी समीक्षा की। बैठक में विज्ञान केंद्र में स्थापित की जा रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) गैलरी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही सूरजपुर जिले के मायापुर में कर्क रेखा गुजरने वाले क्षेत्र में प्रस्तावित एस्ट्रो साइंस पार्क के निर्माण के संबंध में भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विभाग की स्ववित्तपोषण की संभावनाओं को बढ़ाने तथा वैज्ञानिक अनुसंधान, खोजों और तकनीकी परियोजनाओं का व्यावहारिक लाभ राज्य को दिलाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, राजस्व सहित शासन के विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए।

पावर कंपनियों में 1,501 पदों पर भर्ती के लिए डेढ़ लाख से अधिक आवेदन, अंतिम तिथि बढ़ी

■ अब 3 दिसंबर की रात 11.55 बजे तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन, डाटा एंट्री ऑपरेटर के 609 पदों के लिए मिले लगभग 81 हजार आवेदन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की तीनों कंपनियों में 1,501 पदों पर होने वाली भर्ती के लिए अभ्यर्थियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक लगभग डेढ़ लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 नवंबर से बढ़ाकर 3 दिसंबर 2026 की रात 11.55 बजे तक कर दी गई है। इस समय तक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन के साथ निर्धारित शुल्क भी जमा कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी में कुल 1,501 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इनमें द्वितीय श्रेणी के 195 तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 1,306 पद शामिल हैं। विस्तृत भर्ती विज्ञापन पावर कंपनी की वेबसाइट https://cspc.co.in पर उपलब्ध है।

भर्ती के लिए जारी विज्ञापन के अंतर्गत 38 प्रकार के पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। इनमें सबसे अधिक आवेदन डाटा एंट्री ऑपरेटर के पदों के लिए प्राप्त हुए हैं। इस पद के लिए लगभग 81 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। डाटा एंट्री ऑपरेटर के कुल 609 पद तीनों पावर कंपनियों में रिक्त हैं। इसके अतिरिक्त कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता सहित विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भी बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं।

सभी पदों के लिए चयन प्रक्रिया के अंतर्गत कम्प्यूटर बेस्ड मल्टीपल चॉइस टेस्ट (CBT) आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। डाटा एंट्री ऑपरेटर पद के लिए मेरिट सूची के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को टाइपिंग टेस्ट देना होगा। इसी प्रकार स्टेनोग्राफर ग्रेड-III के पदों के लिए भी निर्धारित दक्षता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

एनटीपीसी नवा रायपुर ने प्रस्तावना के सामूहिक वाचन के साथ संविधान दिवस मनाया



रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी नवा रायपुर ने 26 नवंबर, 2026 को संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने के उद्देश्य से भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर संविधान दिवस मनाया। एनटीपीसी पश्चिमी क्षेत्र-II मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में, श्री बिद्या नंद झा, कार्यकारी निदेशक (OS-R&M) और श्री प्रवीण गर्ग, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने क्रमशः हिंदी और अंग्रेज़ी में प्रस्तावना पढ़ी, जिसका अन्य कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से अनुसरण किया। इसी प्रकार, एनटीपीसी CBD भवन में, श्रीमती संगीता दाश, GM (P&S) और श्री पलाथोटी सुब्बाराजू, GM (USSC - C&M) ने हिंदी और अंग्रेजी में प्रस्तावना का वाचन किया, जिसका अन्य लोगों ने सामूहिक रूप से अनुसरण किया।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने में भारतीय संविधान के योगदान पर प्रकाश डाला और साथ ही एक विकसित भारत के निर्माण के अपने संकल्प को पूरा करने में इसके मार्गदर्शक की भूमिका को रेखांकित किया।

कांग्रेस कमेटी ने 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत प्रदेश स्तरीय 'संविधान रक्षा मार्च' निकाला

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में कांग्रेस ने आज 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत संविधान रक्षा मार्च निकाला। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, मोदी वाशिंग पाउडर संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा है। देश में एक तरफ बेचने का काम चल रहा है, दूसरी तरफ बचाने का काम चल रहा है। 2029 में हमारे नेता राहुल गांधी देश की कमान संभालेंगे।

प्रभारी सुखदेव भगत ने कहा कि, संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है। गरीबों की रोटी और 140 नागरिकों का सम्मान है। हमारे युवाओं के भविष्य की गारंटी है। हमारे साथ की जानता संविधान और संविधान के मूल्यों में विश्वास करती है। चुनाव आयोग सरकारी दफ्तर के तौर पर काम कर रहा है। कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत ट्रेन लेट होने के कारण तय समय से करीब साढ़े 4 घंटे की देरी से



पहुंचे। उनके साथ सहप्रभारी जितेन्द्र भगत और हरनाम सिंह भी मौजूद हैं। प्रभारी के इंतजार में कार्यक्रम तय समय से करीब दो घंटे देरी से शुरू हुआ।महिला कांग्रेस अध्यक्ष संगीता सिन्हा ने कहा कि किसानों का रकबा काटा गया और बेमौसम बारिश से फसलें खराब हुई, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। युवा नौकरी के लिए भटक रहे हैं और महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। प्रदेश में रेप के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों को लेकर और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस ने आज मार्च निकाला।

छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर का बेहतर क्रियान्वयन देखने आए देशभर के प्रतिनिधि

■ स्मार्ट मीटर और मोर बिजली एप के उपयोग से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत नियंत्रित कर सकते हैं : आलोक कुमार



रायपुर (विश्व परिवार)। ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन (एआईडीए) के महानिदेशक श्री आलोक कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने स्मार्ट मीटर स्थापना और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में अच्छी प्रगति की है। मोर बिजली एप के माध्यम से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत पर नजर रखने के साथ उसे नियंत्रित करने के लिए भी जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें उपलब्ध खपत पूर्वानुमान, ग्राफ आधारित विश्लेषण, रियल टाइम अपडेट और तुलनात्मक आंकड़े उपयोगी हैं। ये सुविधाएं अन्य राज्यों की विद्युत वितरण कंपनियों के लिए भी अनुकरणीय हो सकती हैं। स्मार्ट मीटर और एप में उपलब्ध सुविधाएं उपभोक्ताओं को अपनी बिजली खपत बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों की विद्युत वितरण कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा विकसित मोर बिजली एप एवं प्रकाश एप की जानकारी भी साझा की जाएगी। वे छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के नॉलेज शेयरिंग एवं फील्ड विजिट कार्यक्रम में बोल रहे थे।

ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन (एआईडीए) से देशभर की सरकारी और निजी विद्युत वितरण कंपनियां जुड़ी हुई हैं। छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर की स्थापना, उनके संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन तथा मोर बिजली एप के माध्यम से मिल रही सुविधाओं की जानकारी लेने के लिए राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल रायपुर पहुंचा है।

एनआईटी में 'डिजाइन फॉर भारत यूथ इनोवेशन चैलेंज 2027' के तहत जूरी सत्र का आयोजन

■ छत्तीसगढ़ की 14 टीमों ने कृषि, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी और सतत विकास से जुड़े नवाचार प्रस्तुत किए



रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर द्वारा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के अंतर्गत 'डिजाइन फॉर भारत यूथ इनोवेशन चैलेंज 2027' के लिए जूरी सत्र का आयोजन किया गया। इस वर्ष की प्रतियोगिता का विषय 'जीवन में परिवर्तन, सशक्त भारत का निर्माण' (Transforming Lives, Building Stronger India) था।

जूरी पैनल में प्रख्यात शिक्षाविद् एवं विशेषज्ञ शामिल थे, जिनमें डॉ. अबीर बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर, वास्तुकला एवं योजना विभाग; डॉ. इश्तियाक अहमद, एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग; डॉ. शारदा भारती, सहायक प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग; प्रो. कविता बिस्वास शर्मा, सहायक प्रोफेसर, वास्तुकला एवं योजना विभाग तथा डॉ. श्रुति नागदेवे, प्रतियोगिता की नोडल अधिकारी (डिजाइन फॉर भारत) शामिल रहीं।

इस सत्र में छत्तीसगढ़ के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की कुल 14 टीमों ने अपने नवाचारपूर्ण विचार एवं परियोजनाएँ प्रस्तुत कीं। प्रतिभागियों के प्रस्तावों में कृषि, कनेक्टिविटी एवं परिवहन, सतत विकास, स्वास्थ्य एवं कल्याण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर समाधान प्रस्तुत किए गए।

विशेषज्ञ जूरी द्वारा प्रस्तुत विचारों का मूल्यांकन किया जाएगा, जिसके पश्चात विजेता टीमों का चयन किया जाएगा। चयनित टीमें प्रतियोगिता के अगले चरण में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी। साथ ही, उन्हें नई दिल्ली में आयोजित होने वाले विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 में अपने नवाचारों को प्रस्तुत करने का अवसर भी मिल सकता है।

एनएमडीसी का नगरनार इस्पात संयंत्र में उत्पादन में 5 मिलियन टन का आंकड़ा पार

रायपुर (विश्व परिवार)। स्टील लिमिटेड (एनएसएल) के नगरनार स्टील प्लांट ने 25 नवंबर 2026 को 5 मिलियन टन मेटलर्जिकल कोक उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया। यह कोक ओवन बैटरी द्वारा इसकी शुरुआत से लेकर अब तक किया गया कुल उत्पादन है। गौरतलब है कि एनएसएल की कोक ओवन बैटरी नंबर 1 को 28 अक्टूबर 2022 को चालू किया गया था, जो संयंत्र की सबसे पहले शुरू होने वाली इकाइयों में से एक थी। इसके बाद 25 अप्रैल 2023 को एनएसएल की बैटरी नंबर 2 भी चालू हो गई।

एनएसएल के कोक ओवन की कुशल कार्यप्रणाली उत्पादन लागत को नियंत्रित रखने और कंपनी के एचआर (हॉट रोल्ड) उत्पादों को बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने में महत्वपूर्ण मदद करती है। एनएसएल के ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण के अनुकूल कोक ओवन में 67 ओवन वाली 2 बैटरियां हैं। इनमें से प्रत्येक ओवन 7 मीटर ऊंचा है और ये चौबीसों घंटे कच्चे कोयले को मेटलर्जिकल कोक में परिवर्तित करते हैं, जिसका उपयोग 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता वाली ब्लास्ट फर्नेस में किया जाता है।

एनएसएल के कोक ओवन की एक प्रमुख विशेषता इसका पर्यावरण के अनुकूल सीडीसीपी (कोक ड्राई कूलिंग प्लांट) है। सीडीसीपी में गर्म कोक को ठंडा करने के लिए पानी के स्थान पर अक्रिय नाइट्रोजन गैस का उपयोग किया जाता है। इस प्रक्रिया में निकलने वाली अपशिष्ट ऊष्मा (वेस्ट हीट) को संचित कर कैप्टिव बिजली का उत्पादन किया जाता है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि कोयले की धूल से पर्यावरण प्रदूषित न हो।

रायपुर रेल मंडल में मनाया गया संविधान दिवस

■ मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने अधिकारियों एवं रेल कर्मियों के साथ किया संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन



रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था। इसी ऐतिहासिक दिवस की स्मृति में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। भारतीय संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था। हमारा संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा समानता एवं न्याय के मूल्यों का आधार स्तंभ है।

इसी क्रम में आज दिनांक 26 नवंबर 2026 को रायपुर रेल मंडल में संविधान दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। इसके पश्चात सभी अधिकारियों एवं रेल कर्मियों ने एकजुट होकर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया तथा संविधान में निहित आदर्शों, मूल्यों एवं सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संविधान दिवस पर भाजपा कार्यालय में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को किया गया नमन



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा है कि संविधान गौरव दिवस भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर और संविधान सभा के समस्त मनीषियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। श्री सिंह ने कहा कि भाजपा के लिए संविधान केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि हमारी 'राष्ट्र प्रथम' की विचारधारा का प्राण है। श्री सिंह ने गुरुवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आहूत कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों को चरितार्थ करने के लिए ही हम सब 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ निरन्तर कार्य कर रहे हैं। एक संगठन के कार्यकर्ता के रूप में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। संविधान हमें अधिकार देता है, तो साथ ही राष्ट्र के प्रति हमारे मौलिक कर्तव्यों का बोध भी कराता है।

विदित रहे, भाजपा प्रदेश कार्यालय में संविधान गौरव दिवस के अवसर पर गुरुवार को एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया।







प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354